पंडोरी माता के मंदिर गए मोदी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 316 | रायपुर | रविवार 16 नवंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में ब्लास्ट, 9 की मौत- 30 घायल; शव के टुकड़े 300 मीटर दूर जाकर

श्रीनगर

नौगाम थाना परिसर में बीते आधी रात को हुए भीषण विस्फोट में अब तक 9 पुलिसकर्मियों की जान चली गई है, जबकि 30 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम जारी है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सामने आए सीसीटीवी वीडियो में धमाके की लपटें पूरे थाने के भीतर फैलती दिखती हैं, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कुछ मानवीय अंग करीब 300 फीट दूर तक मिले। कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और टीमें ढहे हुए हिस्सों में फंसे लोगों की तलाश कर रही हैं। थाने के भीतर रखे गए 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट को सील करने की प्रक्रिया चल रही थी, तभी कथित रूप से गलत तरीके से हैंडलिंग होने के कारण हादसा हुआ। इस दौरान एक मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे।

सूरत में मोदी बोले : जिन लोगों को हार मिली है, उन्हें इस सदमे से बाहर निकलने में महीनों लगेंगे

बिहार के लोगों ने जातिवादी राजनीति को नकारा

बिहार के लोग दुनिया को समझाते हैं राजनीति

नईदिल्ली,एजेंसी

पीएम मोदी ने सूरत एयरपोर्ट पर शनिवार को बिहार के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार ने हाल के विधानसभा चुनाव में जाति की राजनीति को ठुकरा दिया।

उन्होंने कहा, जिन लोगों को हार मिली है, उन्हें इस सदमे से बाहर निकलने में महीनों लगेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार का टैलेंट दुनिया में हर जगह है। यहां के लोग दुनिया की राजनीति को समझते हैं। बिहार ने सांप्रदायिकता के जहर को ठुकरा दिया। एनडीए ने बिहार में 243 सीटों में से 202 जीती हैं।

पीएम मोदी ने कहा, जिन लोगों को बिहार में हार मिली है, उन्हें इस सदमे से बाहर निकलने में महीनों लगेंगे। इसकी वजह है कि बिहार में वो जमानती नेता घूम रहे थे, वो जातिवादी का भाषण देते रहते थे। उन्हें जातिवादी का जहर फैलाने की कोशिश की थी। बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के उस जगर को पूरी तरह से नकार दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गुजरात का विकास, भारत के विकास से है. इसे किसी एक राज्य से नहीं जोड़ा जाना चाहिए. इस विकास में बिहार के लोगों का अहम योगदान रहा है. उन्होंने कहा कि बिहार के लोग दुनिया को राजनीति समझाते हैं. बिहार विधानसभा चुनाव में भी मेरे बिहारी भाई-बहनों ने विपक्षी दलों का इसका जवाब दे दिया है. बिहार के लोगों ने विकास के एजेंडे पर मुहर लगाते हुए विपक्ष को पूरी तरह नकार दिया है. पीएम ने कहा कि सूरत में काम करने वाले बिहार के लोगों का यहां भी पूरा हक है.

कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों ने जातिवादी राजनीति को नकार दिया है. हर वर्ग ने एनडीए का साथ दिया है. कांग्रेस और अन्य दलों ने बिहार के लोगों ने बहाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने नहीं सुनी. पीएम ने कहा कि ये मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है. कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग है. देश नामदार के हरकतों से दुखी है. कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है.

जमीनों पर कब्जा करके बना दिया वक्फ : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फकानून का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में गैरकानूनी तरीके से जमीनों, मकानों को कब्जा करके जो वक्फबना दिया जाता था. तमिलनाडु में तो हजारों हजार साल पुराने गांव के गांव वक्फप्रॉपर्टी बना दिए गए थे. देश भर में चिंता पैदा हो गई थी. तब हमने वक्फ को लेकर संसद में कानून पारित किया. आज सब ठीक हो रहा है. उन्होंने आगे कहा कि बिहार विधानसभा में पिछले 2-3 साल से वरिष्ठ नेताओं द्वारा नीतीश कुमार को अपमानित करने का फैशन सा बन गया था. बिहार की जनता ने जवाब दे दिया है.

कांग्रेस पर कसा तंज, विजय को जिम्मेदारी बताया

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकसभा के चुनाव के बाद जितने भी चुनाव हुए हैं, सबमें उनकी हालत खराब है. जिन 5-6 राज्यों में चुनाव हुए, उनमें कुल मिलाकर कांग्रेस को जो विधायक मिले, उससे ज्यादा विधायक कल हमें अकेले बिहार में मिले हैं. उन्होंने कहा कि हर जीत हमारे लिए ज्यादा जिम्मेदारी लेकर आती है. हर विजय हमें देश के लिए ज्यादा काम करने की प्रेरणा देती है.

बगावती सुर पड़े महंगे, बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को किया निलंबित

एजेंसी

पटना ,भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। पार्टी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, उन्हें पार्टी से बाहर निकालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, जो संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने के लिए की जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आरके सिंह को बाहर निकालने की प्रक्रिया पार्टी के नियमों के मुताबिक तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण के तहत उन्हें निलंबित कर दिया गया है, जिसके बाद जल्द ही उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। नोटिस का जवाब मिलने के बाद निष्कासन की अंतिम कार्रवाई की जाएगी। यह कदम इसलिए हैरान करने वाला है, क्योंकि कुछ दिनों पहले ही ऐसी खबरें आई थीं कि नीतीश सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाने के बावजूद बीजेपी, आरके सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने जा रही है। लेकिन अब पार्टी ने इस कार्रवाई से स्पष्ट कर दिया है कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आरके सिंह पिछले काफी समय से अपनी ही पार्टी और एनडीए (NDA) नेतृत्व के खिलाफ लगातार हमलावर थे। उन्होंने न केवल एनडीए के ताकतवर नेताओं के खिलाफ प्रशांत किशोर द्वारा लगाए गए आरोपों का खुलकर समर्थन किया, बल्कि उन्हें यह भी लगता था कि पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें हराने के लिए राज्य बीजेपी के ही कुछ नेताओं ने साजिश रची थी। उनका मानना था कि इन नेताओं ने अंदरखाते निर्दलीय उम्मीदवार पवन सिंह को समर्थन देकर उन्हें चुनाव हरवाया था। इसके अतिरिक्त, सिंह ने सार्वजनिक रूप से बिहार में शराबबंदी खत्म करने की वकालत की थी, जो राज्य सरकार की नीति के खिलाफ था। यही नहीं, वह 30 मई को रोहतास में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा से भी दूर रहे थे, जिसे पार्टी ने गंभीरता से लिया। बीजेपी नेताओं के एक धड़े का मानना है कि आरके सिंह की जो भी राजनीतिक ताकत थी, वह बीजेपी के संगठन के कारण ही थी, और पार्टी लाइन से अलग जाकर बयानबाजी करना अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

भारत की महिला पाकिस्तान में लापता, प्रकाश पर्व मनाने गई थी सरबजीत कौर

चंडीगढ़ एजेंसी

पंजाब के कपूरथला की सरबजीत कौर पाकिस्तान में लापता हो गई। वो गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) मनाने 4 नवंबर को जत्थे संग गई थी। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक 4 नवंबर को 1 हजार 9 सौ 23 तीर्थयात्रियों के जत्थे संग अट्टारी बॉर्डर से वो पाकिस्तान गई थीं। अकाल तख्त साहेब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज इसकी अगुवाई कर रहे थे। 10 दिन पाकिस्तान के गुरुद्वारों में मत्था टेकने के बाद 1,922 तीर्थयात्री लौट आए, लेकिन सरबजीत उसमें नहीं थीं।

उनकी गुमशुदगी के बाद दोनों देशों की खुफिया एजेंसियां ट्रेस करने में जुटी हैं। भारत सरकार के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि पाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास पाकिस्तानी अधिकारियों के संपर्क में है। 4 नवंबर को, सिख तीर्थयात्री श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाने के लिए पाकिस्तान के ननकाना साहिब गए थे। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने कथित तौर पर दिल्ली और लखनऊ के 14 हिंदुओं को सिख जत्थे के साथ यात्रा करने से मना कर दिया था। पिछले महीने, केंद्र सरकार ने सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान स्थित ननकाना साहिब गुरुद्वारे की 10 दिवसीय यात्रा करने और जयंती मनाने की अनुमति दी थी।

पंजाब से जुड़े दिल्ली ब्लास्ट के तार : पठानकोट से डॉ. काबू, अल फलाह विवि में कर चुका है काम

पठानकोट एजेंसी

मामून कैंट स्थित व्हाइट मेडिकल कॉलेज से एक बड़े मामले में एक डॉक्टर को हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तार किए गए डॉक्टर की पहचान डॉ. रईस अहमद भट्ट के रूप में हुई है, जो एमबीबीएस, एमएस, एफएमजी और सर्जरी के प्रोफेसर हैं। 45 वर्षीय डॉ. भट्ट पिछले 3 वर्षों से व्हाइट मेडिकल कॉलेज, पीएस मामून कैंट में काम कर रहा था। अस्पताल के प्रबंधक स्वर्ण सलारिया के अनुसार, डॉ. भट्ट को देर रात अज्ञात जांच एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किया गया, हालांकि किस एजेंसी ने उन्हें पकड़ा है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है।

डॉ. रईस पहले फरीदाबाद स्थित अल-फलाह विश्वविद्यालय में 4 वर्षों तक काम कर चुका है। जांच में यह सामने आया है कि वे वहां तैनात कर्मचारियों के संपर्क में भी था। बताया जा रहा है कि डॉ. भट्ट दिल्ली विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी डॉ. उमर के संपर्क में भी था, जिसके चलते एजेंसियों ने उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। डॉ. रईस मूल रूप से बोना डायलगाम, अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) का रहने वाला है।

इस बीच, अल-फलाह विश्वविद्यालय में सामने आए सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई है। शुक्रवार को जांच टीम ने यूनिवर्सिटी परिसर में पहुंचकर वर्तमान के साथ-साथ पूर्व कर्मचारियों और डॉक्टरों के रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की। टीम ने यह पता लगाया कि पहले यहां कौन-कौन डॉक्टर और स्टाफ तैनात रहे हैं, वे कब तक यहां कार्यरत थे और किन परिस्थितियों में उन्होंने विश्वविद्यालय छोड़ा था। उनकी पृष्ठभूमि, निवास स्थान, मोबाइल नंबर और कार्यकाल से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विवरण एकत्र किए गए हैं।

जांच एजेंसियों का मानना है कि इस मॉड्यूल में कई स्तरों पर नेटवर्क सक्रिय हो सकता है, जिसे तोड़ने के लिए पुराने और वर्तमान सभी कर्मचारियों की गतिविधियों और संपर्कों की छानबीन जरूरी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं को गंभीरता से जांचा जा रहा है और आने वाले दिनों में और भी खुलासे हो सकते हैं।

यूपी में अब 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को नहीं भरना पड़ेगा पेंशन फॉर्म, योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में वृद्धावस्था पेंशन को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को बिना किसी फॉर्म भरने की आवश्यकता के पेंशन मिल सकेगी। फिलहाल यह सुविधा 67.50 लाख बुजुर्गों को मिल रही है। बैठक में बताया गया कि 'एक परिवार, एक पहचान' योजना के तहत हर परिवार के 60 वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्यों का पूरा डाटा सरकार के पास उपलब्ध होगा। इसी आधार पर पात्र बुजुर्गों को स्वतः ही वृद्धावस्था पेंशन प्रदान की जाएगी।

अदाणी ग्रुप असम के दो एनर्जी प्रोजेक्ट्स में 63,000 करोड़ रुपए निवेश करेगा, हजारों नौकरियां पैदा होंगी

अहमदाबाद एजेंसी

अदाणी ग्रुप की दो कंपनियों अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी पावर ने शुक्रवार को ऐलान किया कि उन्हें असम सरकार से 63,000 करोड़ रुपए के मूल्य के दो बड़े प्रोजेक्ट्स के लेटर्स ऑफ अवॉर्ड (एओए) मिला है।

इसके तहत, अदाणी पावर असम में 3,200 मेगावाट की क्षमता वाले ग्रीनफील्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट में 48,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। वहीं, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) राज्य में दो पंप स्टोरेज प्लांट्स (पीएसपी) स्थापित करने के लिए 15,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। इनकी कुल क्षमता 2,700 मेगावाट होगी। एजीईएल ने कहा कि उसे 500 मेगावाट की एनर्जी स्टोरेज क्षमता विकसित करने के लिए भी एओए मिला है, जिसमें आपूर्ति पीएसपी से की जाएगी। स्टेट-ऑफ-द-आर्ट थर्मल पावर प्लांट और पंप स्टोरज सुविधा विकसित करने के लिए ग्रुप असम में करीब 63,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, पूर्वोत्तर रीजन भारत की ग्रोथ स्टोरी में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है और हमें इसके परिवर्तन में योगदान देने पर गर्व है। असम में हमारा 3,200 मेगावाट का थर्मल पावर प्रोजेक्ट और 2,700 मेगावाट का पीएसपी प्रोजेक्ट सामूहिक रूप से न केवल इस सेक्टर में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े निवेश का प्रतिनिधित्व करती हैं, बल्कि एनर्जी सिक्योरिटी, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और रोजगार सृजन की दिशा में भी ठोस कदम हैं।

विदेश | महंगाई को नियंत्रित करने और आम जनता को राहत देने के उद्देश्य से फैसला

टैरिफ को लेकर ट्रंप ने लिया यू-टर्न, अमेरिका ने कॉफी और फलों से हटाया शुल्क

न्यूयॉर्क , एजेंसी

टैरिफ बम फोड़कर दुनियाभर में बवाल मचाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब यू-टर्न ले लिया है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने खाद्य आयात पर शुल्क में कटौती की है। आइए जानते हैं कि इससे भारत पर क्या असर होगा। ट्रंप का यह फैसला महंगाई को नियंत्रित करने और आम जनता को राहत देने के उद्देश्य से लिया गया है। वहीं इससे भारत को भी फायदा होने वाला है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के फल और जूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा।

व्हाइट हाउस फैक्टशीट में कॉफी और चाय, कोको, संतरे, टमाटर और बीफ का भी जिक्र किया गया। बता दें, ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क भी जोड़ दिया है।

ट्रंप ने महंगाई को नियंत्रित करने के लिए पहले जेनेरिक दवाओं से टैरिफ हटा दिया था। ट्रंप के इस फैसले से भारत को काफी लाभ पहुंचा। भारत अमेरिका में निर्धारित 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वहीं, खाद्य उत्पादों की कीमतों में कुछ वृद्धि हाई टैरिफ की वजह से हुई, जिसकी वजह से इसका सीधा असर आयातकों और खुदरा विक्रेताओं के जरिए आम जनता की जेब पर देखने को मिला। न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और वर्जीनिया के हालिया चुनावों में डेमोक्रेट्स पार्टी ने अपने अभियान के दौरान महंगाई को मुद्दा बनाया। डेमोक्रेट्स ने महंगाई कम करने पर अपना फोकस रखा। इससे मतदाताओं की जेब पर कुल मिलाकर ज्यादा खर्च का दबाव पड़ा, जिससे उनकी जीत में मदद मिली।

वहीं दूसरी ओर ट्रंप अंतरराष्ट्रीय मामलों, टैरिफ और निवेश में व्यस्त रहे और आम जनता के लिए जो महंगाई का मुद्दा था, उसपर उनका फोकस नहीं रहा। अमेरिका में महंगाई में कमी इस समय में राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है, ऐसे में भारत को आम, अनार और चाय के निर्यात को लेकर फायदा हो सकता है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार हाल के चुनावों में महंगाई ही वहां की जनता के लिए अहम मुद्दा रहा। सितंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, भुनी हुई कॉफी की कीमतों में 18.9 प्रतिशत और बीफ और वील की कीमतों में 14.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत से आयातित मसालों और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारतीय किराना दुकानों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रूस-चीन से तनावों के बीच अमेरिका ने किया गुप्त परमाणु परीक्षण

परमाणु परीक्षण के दौरान का वीडियो आया सामने

एजेंसी

वाशिंगटनः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा खेल कर दिया है। ट्रंप ने हाल ही में बयान दिया था कि अमेरिका जल्द ही आने वाले समय में परमाणु परीक्षण करेगा। दुनिया अभी सोच में पड़ी थी कि ट्रंप क्या वाकई ऐसा करेंगे या सिर्फ रूस, चीन, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देशों पर प्रेशर बढ़ाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। इस बीच रूस ने भी साफ कह दिया था कि अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण करता है तो मॉस्को भी करेगा। इससे दुनिया में परमाणु तनाव पैदा हो गया है, लेकिन इस बाच सबसे चौंकाने वाली खबर आ रही है कि अमेरिका ने परमाणु परीक्षण को गुपचुप तरीके से अंजाम दे दिया है। इस खबर ने पूरी दुनिया को हिला दिया है।

अमेरिका ने इस परमाणु परीक्षण में F-35 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। इसमें एफ-35 फाइटर जेट ने बिना वारहेड के बम गिराए। यह तब हुआ, जब इससे पहले बमों की सेवा अवधि 20 साल तक बढ़ा दी गई थी। यानी इन परमाणु बमों की एक्सपायरी डेट अब 2040 के बाद तक है। रूस के आरटी.कॉम के अनुसार एफ-35 लड़ाकू विमानों ने अगस्त महीने में नेवादा के तपते रेगिस्तान से दोपहर में इस परमाणु परीक्षण के लिए उड़ान भरी थी।

नेवादा साइट पर हुआ गुपचुप परमाणु परीक्षण - अमेरिका ने यह परमाणु परीक्षण अपनी उसी नेवादा साइट पर किया है, जो उसका प्रमुख केंद्र है। अमेरिका ने यह परीक्षण बिलकुल गुपचुप तरीके से और बिना किसी शोर-शराबे के किया है। रूस की स्टेट न्यूज एजेंसी आरटी.कॉम का दावा है कि अमेरिका ने चुपचाप B61-12 परमाणु बम का परीक्षण कर लिया है, मगर इसका किसी को पता नहीं चलने दिया। हैरानी की बात है कि यह परीक्षण अमेरिका ने अगस्त के महीने में ही पूरा कर लिया। जबकि राष्ट्रपति ट्रंप का परमाणु परीक्षण करने वाला बयान इसके बाद आया है, जिसमें वह कह रहे थे कि अब अमेरिका परमाणु परीक्षण करना चाहता है। यानी साफ है कि ट्रंप परमाणु परीक्षण कर लेने के बाद ऐसा बयान दे रहे थे, ताकि वह राज छुपा रहे। मगर अब पोल खुल गई है। इस परमाणु परीक्षण के दौरान अमेरिकी वायुसेना के लेफ्टिनेंट जैक हार्पर का रोल अहम रहा। उनके नेतृत्व में दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमान F-35 लाइटनिंग II के कॉकपिट को इस बेहद रहस्यमयी मिशन पर भेजा गया था। इसको ÷ऑपरेशन शैडो ड्रॉप÷ कोडनेम दिया गया। फिर अमेरिकी सरकार ने चुपचाप B61-12 परमाणु बम का परीक्षण करने का फैसला किया था। इसके लिए न तो कोई घोषणा की गई और न ही किसी तरह की मीडिया कवरेज। यह परमाणु परीक्षण सिर्फ सन्नाटे और रेत के मैदानों के बीच किया गया।

सुरक्षित वापस लौटे चीनी शनचो-20 अंतरिक्ष यान के तीन सदस्य

नई दिल्ली एजेंसी

एजेंसी। पेइचिंग समयानुसार 14 नवंबर को 16 बजकर 40 मिनट पर शनचो-21 समानव अंतरिक्ष यान के वापसी मॉड्यूल ने सफलतापूर्वक लैंडिंग की, जिस पर सवार शनचो-20 अंतरिक्ष यान के तीन सदस्य चन तुंग, चन चोंगच्ये और वांगच्ये सुरक्षित रूप से वापस लौटे। 14 बजकर 49 मिनट पर पेइचिंग अंतरिक्ष उड्डयन नियंत्रण केंद्र ने वापसी का निर्देश दिया।

शनचो-20 समानव अंतरिक्ष यान का वापसी मॉड्यूल सुचारू रूप से अंतरिक्ष मॉड्यूल से अलग हुआ। इसके बाद वापसी मॉड्यूल का इंजन प्रज्वलित किया गया और अंत में सफलतापूर्वक लैंडिंग की गई। डॉक्टरों ने स्थल पर पुष्टि की कि तीनों अंतरिक्ष यात्रियों की शारीरिक स्थिति अच्छी है। शनचो-20 अंतरिक्ष यान के क्रू के तीन सदस्य स्पेस स्टेशन में 204 दिन तक ठहरे, जो चीनी अंतरिक्ष यात्रियों का एक नया रिकॉर्ड है। इस दौरान उन्होंने चार बार स्पेसवॉक किया और कई वैज्ञानिक परीक्षाएं पूरी कीं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

प्रदेश कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन आयोग से मिला,एसआईआर के समय को बढ़ाने की मांग रखी

रायपुर । कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी से मिलकर 6 बिन्दुओं का ज्ञापन सौंपा। एसआईआर की सीमा बढ़ाने एवं गहन पुनरीक्षण के काम की परेशानियों के निराकरण की मांग रखी।

प्रतिनिधि मंडल में पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, ताम्रध्वज साहू, पूर्व अध्यक्ष धनेंद्र साहू, विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह, शैलेश नितिन त्रिवेदी, सफी अहमद, महामंत्री सकलेन कामदार, कन्हैया अग्रवाल, मो. सिद्दिक उपस्थित थे। ज्ञापन में कहा गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 के मध्य छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनिरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उक्त निर्धारित तिथि में प्रदेश के लगभग 2 करोड़ से अधिक मतदाताओं के बीच पहुंचकर गणना पत्रक तैयार कर पाने के लिए समय सीमा की कमी महसूस की जा रही है। चूंकि प्रदेश में वर्ष 2028 में विधानसभा चुनाव निर्धारित है, ऐसे स्थिति में पर्याप्त समय के साथ प्रमाणिक एवं सटिक

डाटा उपलब्ध कराया जा सकता है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी निम्नानुसार बिन्दुओं की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराते हुए मतदाता सूची विशेष गहन पुनिरीक्षण तिथि बढ़ाये जाने की मांग करती है:-

1. निर्वाचक नामावलियों के पुनिरीक्षण कार्यक्रम में पारदर्शिता व व्यापक जन भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।2. निर्वाचन प्रक्रिया की स्वच्छता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लोगों को सूचना, शिकायत दर्ज करने और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने हेतु पर्याप्त समय उपलब्ध होना चाहिए।3. छत्तीसगढ़ का अधिकांश भाग ग्रामीण, आदिवासी एवं वन जंगल क्षेत्रों से घिरा हुआ है। इन इलाकों में संपर्क सुविधाएँ सीमित हैं, और अनेक गाँव दूरस्थ हैं जहाँ संचार या परिवहन की सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं, ऐसे में लोगों तक निर्वाचन से जुड़ी सूचनाएँ पहुँचने में समय लगता है। साथ ही, इन क्षेत्रों के नागरिकों के पास अपने दस्तावेज़ (जैसे पहचान पत्र, निवास प्रमाण, आयु प्रमाण आदि) व्यवस्थित रूप से रखने या प्राप्त करने में स्वाभाविक कठिनाइयाँ होती हैं। इसलिए उन्हें अपने दस्तावेज़ जुटाने, सत्यापन कराने और नाम सम्मिलन /सुधार के लिए अधिक समय मिलना न्यायसंगत और आवश्यक है।

विधायक अंबिका मरकाम ने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को दी पानी टैंकर की सौगात

ग्रामीणों में खुशी का माहौल, पेयजल संकट होगा दूर

नगरी । सिहावा विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय एवं जन-संवेदनशील विधायक श्रीमती अंबिका मरकाम ने अपने क्षेत्र की पेयजल समस्या को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ब्लॉक नगरी व बेलरगांव क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों–जिनमें ग्राम लिखमा, कल्लेमेटा, नवागांव और साकरा शामिल हैं–को नए पानी टैंकर प्रदान किए। पानी टैंकर वितरण कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष नगरी भूषण साहू, वरिष्ठ नेता राजेन्द्र ठाकुर, सभी ग्राम के सरपंच, पंच और भारी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए बड़ी राहत बताया।

विधायक अंबिका मरकाम की क्षेत्र के प्रति जवाबदारी का प्रमाण

विधायक अंबिका मरकाम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के दिनों और जलसंकट के समय पानी की उपलब्धता सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि–

पानी प्रत्येक व्यक्ति का मूल अधिकार है। मेरे क्षेत्र में किसी भी परिवार को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े, यह मेरी पहली प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से ग्राम पंचायतों को पानी टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं। उनकी यह पहल यह स्पष्ट करती है कि वे क्षेत्र की समस्याओं को न सिर्फ समझती हैं, बल्कि समाधान के लिए तत्परता से कदम भी उठाती हैं।

पानी टैंकर मिलने से होने वाले प्रमुख लाभ

1. गर्मी व जलसंकट के समय पेयजल की त्वरित आपूर्ति होगी।

ङ्क ग्रामीणों को दूर-दूर से पानी लाने की परेशानी कम होगी।

2. ग्राम पंचायतों को आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध होगी। हैंडपंप खराब होने या जलस्तर गिरने पर तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था।

. खासकर दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों में राहत। जहाँ पानी की उपलब्धता कम है, वहाँ नियमित रूप से पानी पहुंचाया जा सकेगा। पानी के लिए होने वाली रोज़मर्रा की परेशानियों में कमी आएगी। स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव। स्वच्छ पेयजल मिलने से जलजनित रोगों में कमी आएगी।

ग्रामीणों ने जताया आभार

कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों ने विधायक अंबिका मरकाम की इस पहल की सराहना की और कहा कि यह कदम उनके दैनिक जीवन में बड़ा बदलाव लाएगा। सरपंचों ने भी कहा कि पानी टैंकर मिलने से ग्राम पंचायतों को जल वितरण में मजबूती मिली है। विधायक अंबिका मरकाम की यह पहल उनके जनहितकारी दृष्टिकोण और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के प्रति उनकी संवेदनशीलता का सशक्त उदाहरण है।

पानी टैंकर मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट काफी हद तक कम होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

प्राथमिक शालाओं में एफएलएन मेला का आयोजन

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में जिले के सभी 771 प्राथमिक शालाओं में फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमेरेसी (एफएलएन) मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों की भाषा एवं गणितीय दक्षता को मजबूत करना और शिक्षा को खेल एवं गतिविधियों के माध्यम से रोचक बनाना था। यह मेला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शुरू की गई निपुण भारत मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका लक्ष्य कक्षा तीसरी तक के सभी बच्चों को बुनियादी साक्षरता एवं गणन कौशल प्रदान करना है। स्कूलों में आयोजित इन मेले में बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक शामिल हुए।फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमेरेसी (एफएलएन) मेला का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक शिक्षा की नींव को मजबूत करना है। यह मेला खासतौर पर कक्षा पहली से कक्षा तीसरी तक के विद्यार्थियों के लिए

आयोजित किया जाता है। जिसमें उनकी पढने-लिखने एवं गणित समझने की क्षमता को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां करवाई जाती हैं। एफएलएन मेले की मुख्य विशेषता शिक्षा को रोचक एवं व्यावहारिक बनाने के लिए इंटरएक्टिव सत्र, खेल-खेल में गणितीय, भाषाई दक्षता का विकास, विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित करना, बच्चों के लर्निंग आउटकम को सुधारने पर जोर देना है। जिले की टीम द्वारा प्राथमिक शाला अर्जुनी, पीएमश्री सेजेस राजनांदगांव, प्राथमिक शाला तुमड़ीबोड़ एवं प्राथमिक शाला टेमरी का अवलोकन किया गया। स्कूलों में एफएलएन मेला अवलोकन के दौरान जिला मिशन समन्वयक श्री सतीश ब्यौहरे, एपीसी श्री पीआर झाड़े, एपीसी आदर्श वासनिक, भाषा विशेषज्ञ श्रीमती पूनम पटेल एवं गणित विशेषज्ञ सुश्री सुष्मिता ठाकुर उपस्थित रहे।

एसपी धमतरी के निर्देशन में अवैध शराब पर बड़ी कार्यवाही

धमतरी । एसपी धमतरी के निर्देश पर जिले के विभिन्न थानों - मगरलोड, अर्जुनी, कुरूद एवं भखारा द्वारा अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। कुल 5 अलग-अलग मामलों में आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा गया तथा कुल 09 लीटर कच्ची महुआ शराब, 63 पौवा देशी शराब एवं नकद बिक्री रकम समेत अवैध शराब सहित कुल 8980/- रुपए का सामान जप्त किया गया है।ग्राम बिरझुली कमारपारा सामने जंगल में आरोपी पुरन कुमार को अवैध कच्ची महुआ शराब बेचते रंगे हाथ पकड़ा गया। कब्जे से–09 लीटर कच्ची महुआ शराब ङ्क 1,350/-रूपये 04 नग स्टील ग्लास ङ्क 200/-रूपये बिक्री रकम ङ्क 750/-रूपये

कुल जप्त मूल्य ङ्क 2,300/-रूपये जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

आरोपी का नामपुरन कुमार कमार, पिता सुकालू राम कमार, उम्र 42 वर्ष, निवासी बिरझुली पंडरीपानी कमारपारा, मगरलोड।

थाना अर्जुनीग्राम डोड़की नहर पुल के पास आरोपी किरीत यादव को देशी शराब बेचते रंगे हाथ पकड़ा गया। कब्जे से–10 पौवा देशी प्लेन व 05 पौवा देशी मसाला शराब ङ्क 1,400/-रूपये

बिक्री रकम ङ्क 220/-रूपयेकुल जप्त मूल्य ङ्क 1,620/-रूपये

जप्त कर आरोपी पर धारा 34(ए) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

आरोपी का नाम

किरीत यादव, पिता स्व. फिरंता, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम डोड़की, थाना अर्जुनी।

थाना कुरूद (पहला मामला)ग्राम नारी महानदी खट्टी पुल के पास आरोपी मनहरण रात्रे को अवैध शराब बेचते पकड़ा गया। कब्जे से-

15 पौवा देशी मसाला शराब ङ्क 1,500/-रूपये

टमाटर के भरपूर उत्पादन से किसान सुरेश सिन्हा को मिला बहुत फायदा

लगभग 2 लाख 35 हजार रूपए का हुआ मुनाफा

- उद्यानिकी फसलों में शासन की कृषिहितैषी योजनाओं के कारण जिले के किसानों का बढ़ा रूझान

- यहां का टमाटर कोरबा, कोलकाता, उत्तर प्रदेश भेजा रहा

राजनांदगांव । प्रगतिशील किसान आधुनिक पद्धति से खेती किसानी का लाभ ले रहे हैं। शासन की कृषिहितैषी योजनाओं के कारण तथा असीम संभावनाओं को देखते हुए जिले के किसानों का रूझान टमाटर एवं अन्य उद्यानिकी फसलों में बढ़ा है। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्रा गातापारखुर्द के किसान सुरेश सिन्हा को टमाटर की खेती से बहुत फायदा मिला है। किसान

सुरेश सिन्हा के जीवन में समृद्धि आयी है। किसान सुरेश सिन्हा ने बताया कि उन्होंने पॉली हाऊस में टमाटर की माल्या वैरायटी की फसल लगायी है, जिसकी अच्छी कीमत मिल रही है। 700 से 800 प्रति कैरेट के हिसाब से बाजार में इसकी बिक्री हो रही है। मार्केट में टमाटर की बहुत डिमांड है। यहां का टमाटर कोरबा, कोलकाता, उत्तर प्रदेश, ओडिशा सहित स्थानीय स्तर पर भी भेजा जा रहा है। जिससे लगभग 2 लाख 35 हजार रूपए का फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि अनुकुल जलवायु, मिट्टी, खाद एवं देखरेख से टमाटर की बेहतरीन फसल हुई और टमाटर के पौधों को स्टिक सपोर्ट दिया गया है। उन्होंने कहा कि पाली हाऊस में उचित तापमान पर मल्चिंग विधि से टमाटर की खेती करने से लाभ मिला है।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत संरक्षित खेती के तहत पॉली हाऊस के लिए उन्हें 17 लाख रूपए शासन की ओर से अनुदान मिला है। पॉली हाऊस की कुल लागत 34 लाख रूपए रही। सब्जी स्टोरेज के पैक हाऊस के लिए शासन द्वारा 2 लाख रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। दवाई के छिड़काव के लिए स्ट्रिप मशीन के लिए सरकार से 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ हैं। उनके पास 15 एकड़ जमीन है। जिसमें 8 एकड़ में धान तथा 7 एकड़ में सब्जी की फसल ले रहे है। इस वर्ष लौकी का उत्पादन बहुत अच्छा रहा। लगभग 1.5 एकड़ में 35 टन लौकी का उत्पादन हुआ। जिससे 50 प्रतिशत की शुद्ध आमदनी हुई। उन्होंने बताया कि पॉली हाऊस में टमाटर के साथ खाली जगह में मिश्रित खेती के रूप में फूलगोभी, नवलगोल, प्याज, मूली की भी सब्जी लगायी है। किसान श्री सुरेश सिन्हा ने कहा कि धान के बदले सब्जी की खेती से बहुत लाभ मिल रहा है। इसमें कम पानी और अच्छा उत्पादन हो जाता है। एक वर्ष में तीन से चार सब्जी की फसल ले सकते है। वही धान की तुलना में तीन से चार गुना अधिक आमदनी होती है। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी विभाग से तकनीकी जानकारी एवं अन्य मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त हो रहा है। किसान सुरेश सिन्हा ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर जीवन में परिवर्तन आया है और उन्नति हुई है।

अधिवक्ता जितने सशक्त, न्याय उतना प्रखर : शत्रुहन सिंह साहू

विजय के बाद धमतरी में निकली आभार रैली, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

युवा अधिवक्ताओं के लिए प्रोत्साहन मंच बनाने की घोषणा

धमतरी । छत्तीसगढ़ राज्य विधिज्ञ परिषद चुनाव में धमतरी के वरिष्ठ एवं लोकप्रिय अधिवक्ता शत्रुहन सिंह साहू ने उल्लेखनीय जीत दर्ज करते हुए सदस्य पद पर विजय हासिल की है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद 14 नवम्बर शुक्रवार को वे धमतरी नगर में आभार यात्रा के रूप में रैली निकालते हुए जनता एवं अधिवक्ता समाज का धन्यवाद करने पहुँचे। शहरभर में जगह-जगह उनका भव्य स्वागत किया गया। जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने, मकई चौक में कांग्रेसियों ने पूर्व विधायक लेखराम साहू के नेतृत्व में तो सिहावा चौक में महापौर के नेतृत्व में स्वागत किया तो वहीं शिवाजी नगर के पास शहर वासियों ने, कर्मा चौक में साहू समाज ने, बिलाई माता मंदिर में किसान संघ ने तथा घड़ी चौक में ओबीसी संयोजन संघ के सदस्यों ने गोल बाजार के मुस्लिम समाज ने पुष्पमालाओं व उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया। समर्थकों से घिरे अधिवक्ता शत्रुहन साहू का स्वागत पूरे दिन चलता रहा। इस दौरान अपने संबोधन में श्री साहू ने कहा कि यह जीत मेरी नहीं, पूरे अधिवक्ता समाज की जीत है। अधिवक्ताओं ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, वह मेरे लिए प्रेरणा और सेवा का अवसर है। उन्होंने कहा कि विधि व्यवसाय केवल एक पेशा नहीं, बल्कि न्याय और समाज के बीच का सशक्त सेतु है। अधिवक्ता समाज शब्दों से नहीं, कर्म और व्यवहार से प्रभावित होता है। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हुए उनकी समस्याओं को अपनी जिम्मेदारी के रूप में लिया–यही आत्मीयता इस विजय की सबसे बड़ी पूंजी है। युवा अधिवक्ताओं को विधि जगत का भविष्य बताते हुए श्री साहू ने कहा मैं 'युवा अधिवक्ता प्रोत्साहन मंच' बनाने का प्रस्ताव रखूंगा, जहाँ वरिष्ठ अधिवक्ता युवा साथियों को मेंटॉर करेंगे। डिजिटल ट्रेनिंग, लॉ वर्कशॉप और प्रारंभिक वित्तीय सहायता जैसी योजनाएँ प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने परिषद में अपनी प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट किया अधिवक्ता कल्याण कोष की प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी बनाना। युवा अधिवक्ताओं के लिए स्टार्टअप सहायता योजना शुरू करना। वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए सम्मान और चिकित्सा सुविधा का विस्तार।

खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 : समर्थन मूल्यपर धान खरीदी का शुभारंभ 15 से

धमतरी में धान खरीदी व्यवस्था चाक-चौबंद : कलेक्टर ने दिए सुचारू संचालन के निर्देश

धमतरी । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ जिले में कल 15 नवम्बर 2025 से किया जा रहा है। धमतरी जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा है कि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने सभी अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में सहकारिता, मार्कफेड तथा खाद्य विभाग द्वारा बारदाना, फड़, चबूतरा, पेयजल, छायादार बैठने की व्यवस्था सहित सभी प्रबंध कर लिए गए हैं। कलेक्टर मिश्रा ने 13 नवंबर को स्वयं विभिन्न धान

खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।जिले में इस वर्ष भी पिछले वर्ष की भांति किसानों से धान खरीदी के लिए 100 उपार्जन केन्द्र संचालित किए जाएंगे। खरीदी के साथ ही उठाव व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि खरीदी केंद्रों में भीड़ या अव्यवस्था की स्थिति न बने।खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी। जिले में अब तक 1,22,800 किसानों का पंजीयन किया गया है, जिनका कुल रकबा 1,11,207.67 हेक्टेयर है। इसके अतिरिक्त लगभग 6,700 किसानों का केरी फॉरवर्ड किया जाना शेष है।धान उपार्जन की गुणवत्ता और व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही समिति स्तर पर भी निगरानी समितियों का गठन किया गया है, जो खरीदी प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करेंगे। परंपरा अनुसार 15 नवम्बर को सभी उपार्जन केंद्रों में कांटा-बांट की पूजा-अर्चना कर खरीदी प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।अवैध भंडारण, परिवहन एवं पुनर्चक्रण को रोकने हेतु तहसील स्तर पर उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं, जिनमें राजस्व, मंडी, खाद्य, सहकारिता और कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ओडिशा सीमा से लगे बोरई (घुटकेल), बांसपानी, बनरौद और सांकरा में चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां विभिन्न विभागों के अमले की तैनाती रहेगी।

धरती आबा अभियान के अंतर्गत 15 नवम्बर को धमतरी में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन

धमतरी । जिला प्रशासन धमतरी द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर इस वर्ष जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम 15 नवम्बर 2025, दिन-शनिवार को अपरान्ह 12:00 बजे से सामुदायिक भवन (विंध्यवासिनी माता मंदिर के पीछे), धमतरी में आयोजित होगा। इस अवसर पर विधायक अजय चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में अनुसूचित जनजातीय वर्ग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा, जिनमें प्रतिभावान जनजातीय विद्यार्थी, जनजातीय समुदाय के प्राकृतिक चिकित्सक (बैगा, गुनिया), जनजातीय शहीद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार, तथा जनजातीय वर्ग के शासकीय कर्मचारी शामिल हैं।

मिथ्याछाप स्तर खाद्य पदार्थ विक्रय करने पर मेसर्स समरस इंडस्ट्रीज के संचालक पर 1 लाख 80 हजार का लगा अर्थदण्ड

राजनांदगांव । न्यायालय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी राजनांदगांव द्वारा मिथ्या छाप खाद्य प्रकरण पर सुनवाई करते हुए मेसर्स समरस इंडस्ट्रीज ग्राम कोपेडीह के संचालक श्री भवदीप सिंह पर 1 लाख 80 हजार रूपए अर्थदण्ड लगाया है।उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम का उल्लंघन के तहत खाद्य पदार्थ पोपो एक्वा पैकेजड ड्रिंकिंग वाटर 250 एमएल (पैकड) का नमूना मिथ्या छाप स्तर विक्रय करने तथा बिना वैध एफएसएसएआई अनुज्ञप्ति व पंजीयन के कारोबार करने के कारण मेसर्स समरस इंडस्ट्रीज ग्राम कोपेडीह के संचालक श्री भवदीप सिंह पर 1 लाख 80 हजार रूपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ : पहले दिन 18,639 क्विंटल धान का उपार्जन

0 धान उपार्जन 2025-26: किसानों के उत्साह और पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीदी शुरू

0 किसानों की सुविधा सर्वोपरि : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर, 15 नवम्बर (आरएनएस)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का शुभारंभ किया गया। उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने आए किसानों का स्वागत तिलक एवं पुष्प भेंट कर आत्मीयता से किया गया। खरीदी केन्द्रों का माहौल आज उत्सव और गहमा-गहमी से भरा दिखाई दिया। मौके पर उपस्थित किसानों के चेहरे पर उत्साह, संतोष और शासन के प्रति आभार स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। विभिन्न जिलों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कांटा- बांट एवं धान की पूजा-अर्चना कर तौल प्रक्रिया का विधिवत आरंभ किया गया। प्रदेश में आज कुल 188 उपार्जन केन्द्रों में 18639 क्विंटल धान का उपार्जन किसानों से किया गया। शासन द्वारा राज्य के 2,739 उपार्जन केन्द्रों में खरीदी संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पूर्ण कर ली गई हैं। उल्लेखनीय है कि सहकारी समितियों के कर्मचारियों द्वारा आंशिक रूप से अवैध हड़ताल पर जाने से उपार्जन प्रभावित होने की संभावना उत्पन्न हुई थी, जिसे शासन के निर्देश पर विपणन संघ द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से 2,739 डेटा एंट्री ऑपरेटरों की व्यवस्था कर सुचारू रूप से धान उपार्जन सुनिश्चित किया गया। कई जिलों में सहकारिता विभाग के कर्मचारियों ने भी धान उपार्जन की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए खरीदी कार्य को निरंतर बनाए रखा। शासन द्वारा धान खरीदी में संलग्न कर्मचारियों को अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 के तहत अधिसूचित कर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जिससे उपार्जन प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित रहे। इस वर्ष धान उपार्जन को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसानङ्कउन्मुख बनाने के लिए उपार्जन केन्द्रों में ऑनलाइन टोकन एवं तुंहर टोकन प्रणाली को व्यापक रूप से लागू किया गया है। आज प्रदेश में जारी हुए कुल 2,029 टोकन में से 1,912 किसानों द्वारा तुंहर टोकन के माध्यम से आवेदन किया गया। इसके अतिरिक्त, किसान समिति स्तर पर भी टोकन हेतु आवेदन कर सकते हैं। लघु एवं सीमांत किसानों को अधिकतम 02 टोकन, तथा दीर्घ किसानों को अधिकतम 03 टोकन की सुविधा प्रदान की गई है। किसानों के विश्राम हेतु छाया, पीने के पानी तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सभी उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध कराई गई है। जिला अधिकारियों को किसानों की सुविधा और खरीदी संचालन से संबंधित आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र में केंद्र प्रभारी के अतिरिक्त नोडल अधिकारी की भी ड्यूटी लगाई गई है, जिनके नाम और फोन नंबर केन्द्रों में प्रदर्शित कर दिए गए हैं।

किसी भी प्रकार की असुविधा की स्थिति में किसान नोडल अधिकारी से तुरंत संपर्क कर सकते हैं, और समस्याओं का समाधान तत्काल किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेश स्तर पर हेल्पलाइन 1800 233 3663 के माध्यम से भी शिकायतें एवं जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इस वर्ष धान खरीदी पूर्णतः आधार-आधारित है, जिसके अंतर्गत किसानों को बायोमेट्रिक पहचान के माध्यम से धान विक्रय करने की सुविधा दी गई है। प्रक्रिया को अधिक दक्ष एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा राज्य स्तरीय उड़नदस्ते गठित किए गए हैं, जो सतत् औचक निरीक्षण करते हुए उपार्जन में संभावित अनियमितताओं पर नियंत्रण रखेंगे तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। सभी उपार्जन केन्द्रों में स्थानीय स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया गया है तथा पीने के पानी, प्रसाधन, प्राथमिक उपचार पेटी आदि की व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से उपलब्ध हैं। धान की तौल इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों से की जा रही है, ताकि किसानों को उनके हर एक दाने का उचित मूल्य मिल सके। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी कलेक्टरों एवं धान उपार्जन से संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपार्जन कार्य को व्यवस्थित, समयबद्ध और पारदर्शी रूप से संचालित किया जाए।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की साप्ताहिक प्रगति समीक्षा सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन ने की

अधिक से अधिक पात्र घरों में समयबद्ध तरीके से सोलर पैनल लगाने और विभागों को पारस्परिक समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए

रायपुर,

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की साप्ताहिक प्रगति समीक्षा रेडक्रॉस सभाकक्ष, कलेक्ट्रेट में सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन ने की। समीक्षा बैठक में सीएसपीडीसीएल के सभी जोनों के अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों से प्राप्त आवेदनों की संख्या, स्वीकृत प्रकरणों, पेंडेंसी, रिजेक्शन और घरों में सोलर पैनल इंस्टालेशन की स्थिति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। सीईओ श्री बिश्वरंजन ने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से योजना का लाभ मिले। उन्होंने बैंकों को प्राप्त सभी आवेदनों की शीघ्र स्वीकृति सुनिश्चित करने, आवेदकों को योजना की जानकारी देकर जागरूक करने तथा प्रोसेसिंग की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि, कोई भी हितग्राही अनावश्यक रूप से परेशान न हो। किसी आवेदन को बैंक द्वारा बिना किसी कारण रिजेक्ट न करें, नहीं तो संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी। सीईओ ने यह भी निर्देशित किया कि बैंक किसी भी आवेदन को रिजेक्ट करने से पहले सीएसपीडीसीएल के साथ समन्वय कर केस को प्राथमिकता से रिजॉल्व करें, और केवल आपसी सहमति के बाद ही रिजेक्शन किया जाए। बैठक में साप्ताहिक मॉनिटरिंग पर विशेष जोर देते हुए कहा गया कि सभी बैंक और जोन अपने-अपने स्तर पर पेंडेंसी, रिजेक्शन, सैंक्शन और डिस्बर्समेंट की नियमित समीक्षा करें, ताकि योजना की प्रगति तेज और पारदर्शी बनी रहे। इस अवसर पर जिला मुख्य लीड बैंक अधिकारी मोहम्मद मोफिज सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रामकी कंपनी के रायपुर को सभी 70 वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश

0 निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष ने रामकी कंपनी की बैठक लेकर दिये निर्देश

0 रायपुर निगम क्षेत्र के किसी भी गली-मोहल्ले का क्षेत्र डोर टू डोर कचरा कलेक्शन से वंचित ना रहे, यह सुनिश्चित करें

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में साफ सफाई की व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के लिए रामकी कंपनी को महापौर सहित विधायकों ने दिशा निर्देश दिया है। जिसमें सभी 70 वार्डों में सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने कहा गया है। रायपुर नगर पालिक निगम से मिली जानकारी के अनुसार महापौर श्रीमती मीनल चौबे और रायपुर पश्चिम विधायक पूर्व केबिनेट मंत्री श्री राजेश मूणत और नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता श्री रघुमणी प्रधान, सहायक नोडल अधिकारी सहायक अभियता श्री योगेश कडु, उपअभियंता सुश्री कृष्णा राठी सहित रामकी कंपनी के रायपुर हेड मैनेजर श्री योगेश कुमार की उपस्थिति में बैठक लेकर रामकी कंपनी को रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सभी 70 वार्डो में किये जा रहे डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के कार्य की समीक्षा कर इस सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिये है। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष ने रामकी कपनी के रायपुर हेड मैनेजर को कहा कि रामकी कंपनी की गाडियां घरो में आकर 2 मिनट रूककर बिना कचरा लिए आगे बढ़ जाती है, जब तक रहवासी घर के अंदर जाकर कचरा लाते है तब तक गाडी आगे बढ़ जाती है और वे कचरा नहीं दे पाते है। स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष ने रामकी कपनी के रायपुर हेड मैनेजर को रामकी कंपनी के सफाई वाहन चालको हेल्परो वार्ड सुपरवाईजरो की बैठक बुलाकर उन्हे यह निर्देश देने कहा है कि रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के 10 जोन के 70 वार्डो में किसी भी क्षेत्र के स्थान को डोर टू डोर कचरा कलेक्शन से वंचित ना रखा जाना सुनिश्चित किया जाये और प्रतिदिन नियमित सभी घरो से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन शत प्रतिशत किया जाये।

जनजातीय परंपरा ही भारत की आत्मा – केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू

रायपुर, लोकशक्ति।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आज केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू रायपुर स्थित एकलव्य प्रयास आवासीय विद्यालय पहुँचे। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने छात्रों द्वारा जनजातीय नायकों और नायिकाओं पर तैयार की गई आकर्षक रंगोलियों का अवलोकन किया और उनकी सृजनात्मक प्रतिभा की सराहना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) तथा संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) में चयनित जनजातीय विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। राज्यमंत्री साहू ने विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जनजातीय गौरव दिवस पर दिया गया राष्ट्रीय संबोधन वर्चुअल माध्यम से सुना, जिसमें प्रधानमंत्री ने वीर नारायण सिंह के अप्रतिम शौर्य तथा जनजातीय संग्रहालयों की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख किया।

अपने संबोधन में साहू ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास, परंपरा, संस्कृति और ज्ञान भारतीय सभ्यता की जड़ों में बसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य, श्रम को पूजा मानना, तथा

धरती को माता रूप में पूजना – ये मूल्य हमें जनजातीय समाज से प्राप्त हुए हैं। यह समाज केवल परंपरा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है।

तोखन साहू ने विभिन्न जनजातीय नायकों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध सबसे प्रखर आवाजें वनों और पहाड़ों से उठीं। उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा और उनके 'उलगुलान' आंदोलन, शहीद वीर नारायण सिंह (1857 का विद्रोह), वीर गुंडाधुर (1910 का भूतान आंदोलन), तिलका मांझी, सिदोङ्कान्हू, कोयाङ्कोल आंदोलन, मानगढ़ के बलिदान तथा रानी गाइदिन्ल्यू जैसे जनजातीय महानायकङ्गमहानायिकाओं को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय नायकों का त्याग और संघर्ष भारत की स्वतंत्रता की प्रकाश-रेखा है। उनका योगदान हमारी राष्ट्रीय चेतना का आधार है। राज्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष को विस्तार से याद करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन और मिशनरी दमन के विरुद्ध वर्ष 1899 में बिरसा मुंडा द्वारा दिया गया 'उलगुलान' आत्मसम्मान और स्वतंत्रता का उद्घोष था। अबुआ दिशोम, अबुआ राज का उनका संदेश आज भी जनजातीय गर्व और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में भी बिरसा मुंडा ने औपनिवेशिक शासन की नींव हिलाकर रख दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर इतिहास को उसका योग्य स्थान दिलाया है। तोखन साहू ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास की संस्थागत नींव पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तब रखी जब उन्होंने स्वतंत्र जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा को नई ऊँचाई प्रदान की है। राष्ट्रीय जनजाति आयोग (एनसीएसटी) को अधिक शक्तियां प्रदान की गईं, देश में पहली बार जनजातीय महिला के रूप में द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपतित्व का गौरव प्राप्त हुआ, आदि महोत्सव ने जनजातीय कला को वैश्विक पहचान दी, ट्राइब्स इंडिया (ट्राइफेड) और वन धन केंद्रों ने वनोपज और जनजातीय हस्तशिल्प को उचित मूल्य दिलाया तथा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का देशभर में विस्तार हुआ है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

देश की एकता और अखंडता के संदेश के साथ दानी स्कूल से सरदार वल्लभभाई पटेल चौक तक निकली पदयात्रा

रायपुर, (आरएनएस)। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रायपुर में आज भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई जिसके पश्चात हरी झंडी दिखा कर यूनिटी मार्च की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने 'रन फॉर यूनिटी' के संकल्प के साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर नशामुक्ति एवं स्वदेशी की शपथ भी दिलाई गई । इस अवसर पर सांसद श्री अग्रवाल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, सरदार पटेल ने सभी रियासतों को जोड़ने का सशक्त कार्य किया।

छत्तीसगढ़ में शीतलहर का प्रकोप जारी : रायपुर समेत 12 जिलों में 'येलो अलर्ट'

रायपुर, छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ समय से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 10 डिग्री से भी कम हो गया है। उत्तर-पूर्वी दिशा से आ रही शुष्क और ठंडी हवाओं का असर पूरे प्रदेश में दिख रहा है। राजधानी रायपुर में भी इस साल कड़ाके की ठंड पड़ रही है। राजधानी रायपुर समेत कई अन्य जिलों में घना कोहरा छा रहा है और पूरे दिन ठंड का एहसास हो रहा है। इसी बीच मौसम विभाग ने ठंड को ले कर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों कुछ इलाकों में शीतलहर चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ में मौसम में लगातार बदलाव हो रहे हैं। मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर, सरगुजा, राजनांदगाव, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर कोरिया, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर, जशपुर, सूरजपुर और बलरामपुर जिले में शीत लहर चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने इन

जिलों में शीत लहर चलने की संभावना जताई गई है जिसके लिए अलर्ट जारी किया गया हैं। वहीं राजधानी रायपुर में भी अब कड़ाके ठंड महसूस हो रही है। राजधानी रायपुर समेत आस-पास के इलाकों में सुबह से कोहरा छाने के साथ-साथ कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लोग बिना गरम कपड़ो के घर से नहीं निकल पा रहे हैं।

एनआईटी रायपुर में पाँचवें जनजातीय गौरव वर्ष का गरिमामय समापन

आदिवासी नायकों के योगदान को मिली नई पहचान

रायपुर,। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर ने आज पाँचवें जनजातीय गौरव वर्ष के समापन सत्र का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया। कार्यक्रम में भारत की आदिवासी सांस्कृतिक धरोहर, सामाजिक योगदान तथा स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों की भूमिका को विशेष रूप से स्मरण किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि, संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे, जिससे परिसर में उत्साह और सम्मान का माहौल रहा।

समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ जनजातीय पारंपरिक स्वास्थ्य एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष, विकास मरकाम थे। मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता वैभव सुरांगे ने उपस्थित जनों को संबोधित किया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी, कुलसचिव डॉ. एन. डी. लोंढे, तथा वरिष्ठ संकाय सदस्य– अनुराग जैन,

डॉ. आशुतोष मंडावी, डॉ. मीना मुर्मू, डॉ. निशा नेताम, डॉ. सी. के. ठाकुर, डॉ. अनुज शुक्ला, डॉ. सी. जटोथ, डॉ. देबोराज मुचारे और डॉ. अनिल मांझी– कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद नृत्यम क्लब द्वारा आकर्षक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया गया। आदिवासी समुदायों के छात्रों ने भी छत्तीसगढ़ी आदिवासी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। स्वागत भाषण में डॉ. सुकेशनी तिर्की ने भारत की आदिवासी संस्कृति की समृद्ध परंपराओं और विरासत का उल्लेख करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कुलसचिव डॉ. एन. डी. लोंढे ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को आदिवासी संस्कृति के सम्मान और संरक्षण के लिए प्रेरित किया। निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी ने कहा कि आदिवासी समुदायों के पास औषधीय पौधों और प्राकृतिक संसाधनों का अद्वितीय ज्ञान है, जिससे समाज को निरंतर लाभ मिलता रहा है। उन्होंने प्रकृति-सम्मत जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया और आयोजन समिति की सराहना की। मुख्य वक्ता वैभव सुरांगे ने कहा कि भारत के कई ऐतिहासिक नगरों और क्षेत्रों के विकास की नींव आदिवासी शासकों ने रखी थी। उन्होंने वर्ष 2021 में भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किए जाने को आदिवासी गौरव के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

उन्होंने तिलका मांझी, वीर नारायण सिंह और अन्य आदिवासी नायकों के योगदान को याद किया। मुख्य अतिथि विकास मरकाम ने कहा कि लम्बे समय तक आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की गाथाएँ इतिहास के हाशिये पर रहीं, इसलिए जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन इन गुमनाम नायकों को उचित सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह और गुंडाधुर जैसे नायकों की कहानियों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने के प्रयासों की जानकारी भी साझा की।

सुर, संगम और समर्पण से सजी रजत महोत्सव की संध्या

सुर, संगम और समर्पण से सजी रजत महोत्सव की संध्या

भूमि त्रिवेदी के सुरों की थिरकन, ऊषा बारले की पंडवानी का असर और सूफी संगीत की रूहानी महक

संगीत की सुरमयी शाम में झूम उठा राज्योत्सव मैदान

रायपुर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में सोमवार की रात संगीत, नृत्य और लोक संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिला। बॉलीवुड की ख्यातनाम पार्श्व गायिका भूमि त्रिवेदी ने अपनी मनमोहक आवाज़ से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने ÷ससुराल गेंदा फूल÷, ÷सैय्यारा÷, ÷राम चाहे लीला÷, ÷झुमका गिरा रे÷ ÷जय-जय शिवशंकर-कांटा लगे न कंकड़÷, ÷होली खेले रघुवीरा÷, ÷रंग बरसे÷, ÷ये देश है वीर जवानों का÷..÷डम-डम ढोल बाजे÷, ÷उड़ी-उड़ी जाएं÷ जैसे लोकप्रिय गीतों को अपने नए अंदाज़ में प्रस्तुत कर माहौल को जोश और उमंग से भर दिया। हिंदी, पंजाबी और राजस्थानी सहित अन्य राज्यों के भाषाओं के धुनों के साथ छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत का ताना-बाना जोड़ते हुए उन्होंने युवाओं के दिलों में संगीत की हलचल मचा दी। दर्शकों की तालियों और नृत्य से पूरा प्रांगण गूंज उठा। **पंडवानी की वीरता और सूफी संगीत की रूहानी छुअनपंडवानी की वीरता और सूफी संगीत की रूहानी छुअन** छत्तीसगढ़ की गौरवगाथा को आगे बढ़ाते हुए पद्मश्री श्रीमती ऊषा बारले ने अपने तानपुरे की झंकार और अभिव्यक्तिपूर्ण मुद्राओं से महाभारत की वीरता को जीवंत कर दिया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण देती सरकार

भारत में सेवा क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका है, अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल हो यह मोदी सरकार के प्रयासों से ही संभव है।। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं।

नीति आयोग ने समस्या पर रोशनी डाली है, लेकिन ठोस समाधान सुझाने में विफल रहा है। समस्या है सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति। आयोग ने कहा है- 'भारतीय आर्थिक ढांचे में सेवा क्षेत्र केंद्रीय स्थल पर है, लेकिन इसके भीतर अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा बेहद बड़ा है, जहां अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है।' अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं।

विजय पताका लहराया

महिला क्रिकेट में भारत का चैंपियन बनना एक युगांतकारी घटना बन सकती है। यहां से संभव है कि मुख्य मुकाबले की धुरी उसी तरह खिसक जाए, जैसा पुरुष क्रिकेट में वेस्ट इंडीज के उदय के साथ 1970 के दशक में हुआ था।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आखिरकार उस शिखर पर विजय पताका लहराया है, जिसके करीब पहुंचने के बाद दो बार (2005 और 2017 में) वो वहां से फिसल गई थी। 2017 का दर्द तो अब तक भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के दिल में है, तब मंजिल से कुछ कदम पहले तक मजबूती से पहुंचने के बाद अचानक टीम इंडिया ढह गई। इंग्लैंड के हाथों उस हार को भारतीय महिलाओं में मारक क्षमता के अभाव के रूप में पेश किया गया था। मगर रविवार को भारतीय टीम का अलग जज्बा सामने आया, जब कप्तान हरमन प्रीत कौर और उनके साथियों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आरंभ से अंत तक दबदबा बनाए रखा।

वैसे भारतीय टीम ने मनोवैज्ञानिक बढ़त तो सेमी-फाइनल में अपराजेय दिखने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पर अविश्वसनीय जीत के साथ ही बना ली थी, जिसका मुजाहिरा खिलाड़ियों ने फाइनल में किया। यह जीत बताती है कि धीरज, प्रतीक्षा, परिश्रम, और लंबी तैयारी के बाद आखिरकार भारतीय महिलाएं उस मुकाम पर पहुंची हैं, जिसे कभी उनकी पहुंच से बाहर समझा जाता था। तथ्य है कि सीमित ओवरों वाले मैच के विश्व कप टूर्नामेंट की शुरुआत पुरुष से पहले महिला क्रिकेट में हुई। 1973 के पहले टूर्नामेंट के समय भारत के पास महिला टीम नहीं थी। 1978 में दूसरे टूर्नामेंट में भारत ने पहली बार भाग लिया। अब 13वें टूर्नामेंट में जाकर वह विश्व विजेता बन पाई है।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया ने सात, इंग्लैंड ने चार और न्यूजीलैंड ने एक बार यह खिताब जीता। अतः इसे ध्यान में रखना चाहिए कि एंग्लो-सैक्सन मूल के देशों के बाहर विश्व चैंपियन बनने वाला भारत पहला मुल्क बना है। इस रूप में यहां से महिला क्रिकेट में भी उन देशों का वर्चस्व टूटने की शुरुआत हुई है, जैसा पुरुष क्रिकेट में बहुत पहले हो चुका है। यानी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2 नवंबर को जो हुआ, वह महिला क्रिकेट में युगांतकारी घटना बन सकती है। यहां से संभव है कि मुख्य मुकाबले की धुरी ठीक उसी तरह खिसक जाए, जैसा पुरुष क्रिकेट में वेस्ट इंडीज के उदय के साथ 1970 के दशक में हुआ था।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

शांति ही नहीं, सह-जीवन के लिये जरूरी है सहिष्णुता

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

विश्व में सहिष्णुता को बढ़ावा देने और जन-जन में शांति, सहनशीलता, स्वस्थता एवं संवेदना के लिये जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य संसार में हिंसा, युद्ध एवं आतंक की भावना और नकारात्मकता को खत्म कर अहिंसा को बढ़ावा देना है। दुनिया में बढ़ते अत्याचार, आतंक, हिंसा और अन्याय को रोकने और लोगों को सहनशीलता और सहिष्णुता के प्रति जागरूकता की भावना जगाने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है। यह दिवस सभी धर्मों और अलग-अलग संस्कृतियों को एक होने की प्रेरणा देता है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य को बचाने की अनिवार्य पुकार है। जिस समय दुनिया विकास और तकनीक की ऊँचाइयों को छू रही है, उसी समय वह असहिष्णुता, हिंसा, युद्ध, आतंक और आक्रोश की गहराइयों में डूबती भी जा रही है। यह विरोधाभास बताता है कि मनुष्य बाहरी रूप से कितना भी समर्थ हो जाए, लेकिन यदि भीतर सहिष्णुता, धैर्य और संवेदना का प्रकाश न हो, तो सभ्यताएँ चमकते हुए भी विघटन के कगार पर खड़ी हो सकती हैं। आज के तनावपूर्ण वातावरण में सहिष्णुता मानवीय संबंधों को जोड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है। यह कमजोरी नहीं, बल्कि वह आंतरिक सामर्थ्य है जो हमें अपने विचारों के साथ दूसरों के विचारों को समझने, स्वीकारने और सम्मान देने की क्षमता प्रदान करती है।

व्यक्तियों, समाजों एवं राष्ट्रों की एक दूसरे के लिये बढ़ती असहिष्णुता ही युद्ध, नफरत एवं द्वेष का कारण है, यही साम्प्रदायिक हिंसा एवं उन्माद का भी कारण है। असहिष्णुता, घृणास्पद भाषण और दूसरों के प्रति भय, नफरत, घृणा एवं द्वेष न केवल संघर्ष और युद्धों का एक शक्तिशाली प्रेरक है, बल्कि इसका मुख्य कारण भी है। जबकि सहिष्णुता वह बाध्यकारी शक्ति है जो हमारे बहुसांस्कृतिक, बहुजातीय और बहुधार्मिक समाज को एकजुट करती है। असहिष्णुता केवल सामाजिक एवं राजनैतिक ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न नहीं करती है, बल्कि इसका देश की अर्थव्यवस्था, उसके विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार व्यवस्था को मजबूती देने के लिये सहिष्णुता की बड़ी जरूरत है। यह व्यक्तिगत जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है।

दुनिया भर में बढ़ते युद्ध, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय संघर्ष, जातीय टकराव और सोशल मीडिया पर फैलती नफरत इस बात का प्रमाण हैं कि असहिष्णुता की आग कितनी तेजी से फैल रही है। ऐसे वातावरण में सहिष्णुता केवल सामाजिक मूल्य नहीं, बल्कि मानवता का आधार बन जाती है। मनुष्य जब संवाद खो देता है, जब सुनने की संस्कृति कमजोर पड़ जाती है, जब व्यक्तिगत अहंकार सामूहिक सद्भाव पर भारी पड़ने लगता है, तब असहिष्णुता जन्म लेती है। यही कारण है कि आज की दुनिया में सबसे बड़ी कमी है-संवाद, धैर्य और विविधता को सम्मानपूर्वक स्वीकारने की क्षमता। सहिष्णुता केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए आवश्यक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन की भी अनिवार्यता है। घरों में तनाव बढ़ रहा है क्योंकि हम दूसरों की बात सुनने का धैर्य खोते जा रहे हैं। रिश्ते टूट रहे हैं क्योंकि हम भिन्नता को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं। आधुनिक मनुष्य तेजी से प्रतिक्रियाशील हो गया है; छोटी-सी आलोचना भी उसे अस्थिर कर देती है। यदि हम अपने भीतर सहिष्णुता का दीपक जलाएँ, तो जीवन सरल, सुंदर और शांतिमय हो सकता है।

विशेष रूप से राजनीति में सहिष्णुता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। राजनीति राष्ट्र का मार्ग निर्धारित करती है; यदि इसमें असहिष्णुता, अपमान, दुराग्रह और द्वेष बढ़ता है, तो समाज में भी यही भाव प्रसारित होते हैं। आज जब राजनीतिक भाषा में कटुता बढ़ रही है, विपक्ष की नकारात्मकता के कारण लोकतांत्रिक संवाद और राजनीतिक संस्कृति दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। राजनीति का मूलभूत उद्देश्य जनता की सेवा और राष्ट्र का विकास है, परन्तु यह तभी संभव है जब विचारों की विविधता को सम्मान मिले, विचार-विमर्श की परंपरा जीवित रहे और नेता विरोधी विचारों को भी सुने। श्रेष्ठ नेतृत्व वही है जो सबको साथ लेकर चले, न कि विभाजन और नफरत की सियासत को हवा दे। सहिष्णुता राजनीति को परिपक्वता प्रदान करती है और सत्ता के अहंकार को मानवीय संवेदना से संतुलित करती है।

धर्म के क्षेत्र में भी सहिष्णुता की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि धर्म का मूल स्वरूप शांति, करुणा, प्रेम और सद्भाव है। लेकिन जब धर्म कट्टरता और संकीर्णता का साधन बनने लगता है, जब लोग अपने मत को सर्वोच्च और दूसरों के मत को नीचा समझने लगते हैं, तब धर्म का वास्तविक उद्देश्य नष्ट हो जाता है। महावीर, बुद्ध, ईसा, पैगंबर, गांधीकृसभी ने धर्म को मन की शुद्धि और मानवता की रक्षा का मार्ग बताया है, न कि विभाजन और संघर्ष का। धर्म का सार यही है कि हम भिन्नताओं को समझें, दूसरों की आस्थाओं का सम्मान करें और मनुष्यता को सर्वोच्च मानें। धार्मिक सहिष्णुता किसी समाज की आध्यात्मिक ऊँचाई का मापदंड होती है। सह-अस्तित्व की भावना ही वह आधार है जिस पर उन्नत दुनिया का निर्माण संभव है। हम एक ही धरती पर रहते हैं, एक ही मानव समुदाय से जुड़े हैं, और चाहे किसी भी भाषा, धर्म, जाति या संस्कृति से हों, हमारी नियति एक-दूसरे से गुँथी हुई है। यदि हम साथ रहना सीख लें, एक-दूसरे का सम्मान करते हुए आगे बढ़ें, तो दुनिया हिंसा और तनाव से मुक्त होकर सौहार्द और समृद्धि का नया अध्याय लिख सकती है।

दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। सामाजिक माहौल ना बिगड़े और लोग एक दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहे। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा एवं युद्ध की स्थितियां बनना आम हो गया है। रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमास के बीच लम्बे युद्धों ने विश्व मानव समाज के लिये गंभीर खतरे उत्पन्न किये है। लगातार युद्ध की बढ़ती स्थितियां एवं आतंकवाद की बढ़ना व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं विश्व में बढ़ती असहिष्णुता का ही परिणाम है। किसी भी युग में किसी भी देश में जब-जब सहिष्णुता की दीवार में कोई सुराख करने की कोशिश हुई है, तब-तब आसुरी एवं हिंसक शक्तियों ने सामाजिक एकता को कमजोर किया है और विनाश का तांडव रचा है। सहिष्णुता तभी कायम रह सकती है जब संवाद कायम रहे। सहिष्णुता इमारत है तो संवाद आधार। लेकिन प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद के जाल में फंस चुके इस विश्व में यह संवाद लगातार टूटता जा रहा है।

संत कबीरदास से लेकर गुरूनानक, रैदास और आचार्य तुलसी आदि संतों ने समाज में सहिष्णुता का भाव उत्पन्न कर सामाजिक समरसता को जन जन तक पहुंचाया। इससे समाज में सही अर्थों में सहिष्णुता की भावना बलवती हुई। संत कबीर हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। उन्होंने राम-रहीम को एक माना और कहा ईश्वर एक है भले ही उसके नाम अलग-अलग क्यों न हों। आजादी के आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने सहिष्णुता का संदेश घर-घर तक पहुंचाया। गांधीजी सहिष्णुता के साक्षात प्रतीक थे। सहनशीलता हमारे जीवन का मूल मंत्र है। सहिष्णुता ही लोकतंत्र का प्राण है और यही वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म सद्भाव का आधार है। इसी से मानवता का अभ्युदय संभव है। अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस हमें याद दिलाता है कि मनुष्यता का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम कितना स्वीकार करते हैं, कितना समझते हैं और कितनी उदारता से जीते हैं। यह समय की माँग है कि राजनीति में संवाद, धर्म में करुणा और समाज में संवेदना का विस्तार हो। यदि हम सहिष्णुता को विचार नहीं, बल्कि जीवन की शैली बना लें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन शांतिमय होगा, बल्कि दुनिया भी अधिक सुरक्षित, सुंदर और मानवीय बन जाएगी। यही सहिष्णुता का वास्तविक संदेश है और यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता।

जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक विरासत और स्वाभिमान का उत्सव

0-डॉ. कुंवर विजय शाह

भारत एक सांस्कृतिक विविधता संपन्न देश है। यहां की आदि संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। आज देश भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जन्म जयंती मना रहा है। हम सब इस अवसर पर गर्व से भरे हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश से जनजातीय गौरव दिवस की शुरूआत कर इस अवसर को और भी गरिमापूर्ण बना दिया है।

भगवान बिरसा मुंडा एक ऐसे वीर योद्धा और समाज-सुधारक हुए हैं, जिन्होंने जनजातीय समाज की उन्नति, गरिमा और उनके अधिकारों के लिए जीवन समर्पित कर दिया। हर साल 15 नवम्बर को उनकी जयंती पर राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। यह जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक विरासत और स्वाभिमान का उत्सव है। जनजातीय गौरव दिवस का महत्व केवल भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद करने तक सीमित नहीं है। यह जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान और देशज ज्ञान की विरासत का जश्न मनाने का भी दिन है। हम जनजातीय सांस्कृतिक धरोहर और उपलब्धियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन प्रेरणा का स्रोत है। नई पीढ़ी को साहस, संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध होने का संदेश देता है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलीहातू गांव के साधारण मुंडा परिवार में हुआ था। उनका जीवन कठिनाइयों से भरा था। उन्हें निरंतर आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा लागू जमींदारी प्रथा, धर्मांतरण और जनजातीय अस्मिता पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष किया।

उलगुलान विद्रोह का नेतृत्व-भगवान बिरसा मुंडा ने उलगुलान नामक जनजातीय विद्रोह का नेतृत्व किया। अंग्रेजों के खिलाफ यह महान विद्रोह था। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा लागू भूमि हड़पने की नीतियों, जबरन धर्मांतरण और जनजातियों की पारम्परिक जीवनशैली में दखल देने वाले कानूनों के खिलाफ आवाज उठाई। भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में इस आंदोलन ने जनक्रांति की लहर पैदा कर दी थी। जनजातीय समुदाय ने उन्हें धरती आबा के रूप में सम्मानित किया।

महान समाज सुधारक-भगवान बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता संग्राम योद्धा ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जनजातीय समाज में व्याप्त सामाजिक बुराइयों अंध-विश्वास, जाति-भेदभाव, नशाखोरी, जातीय संघर्ष के खिलाफ जागरूकता फैलाई और शिक्षा का महत्व समझाया। उन्हें एकता में रहने का संदेश दिया। बिरसा मुंडा ने बिरसाइत नामक एक धार्मिक आंदोलन भी चलाया, जिसमें उन्होंने आचार-विचार की शुचिता, सादगी और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। भगवान बिरसा मुंडा मात्र 24 साल 7 महीने की अल्पायु में 9 जून 1900 को वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी स्मृति आज भी जनजातीय समाज के दिलों में जीवित है।

विकास में भागीदारी-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश ने जनजातीय विकास के अभूतपूर्व काम किए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आजीविका जैसे क्षेत्रों में मध्य प्रदेश के कार्यों की राष्ट्रव्यापी सराहना हुई है। समग्र जनजातीय विकास की पीएम जनमन योजना की अवधारणा की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि का ही परिणाम है। उन्होंने जनजाति समुदाय के गुमनाम वीर योद्धाओं को समाज के सामने लाकर खड़ा किया और उनकी स्मृति को स्थाई बनाने का काम किया। पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना जैसी क्रांतिकारी पहल बिरसा मुंडा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

हाल में नई दिल्ली में संपन्न ट्राइबल बिजनेस कॉन्क्लेव में केंद्र सरकार ने जनजाति समुदाय के कलाकारों के कला उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ले जाने का निर्णय लिया है। जनजातीय समुदाय पारंपरिक ज्ञान, कला और संस्कृति से समृद्ध है। मध्यप्रदेश में जनजाति समुदायों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का उल्लेखनीय काम हुआ है। पेसा कानून में जनजातीय क्षेत्रों की ग्राम सभा सशक्त हुई हैं। वे अपने निर्णय ले रही हैं और अपनी विकास योजनाएं बना रही हैं। शैक्षणिक सुविधाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। किसी समय भौगोलिक रूप से दूरस्थ बसे जनजातीय गांवों का अब मुख्य सड़कों से संपर्क हो गया है। वे अब शहरी अर्थव्यवस्था में शामिल हो गए हैं। जनजातीय बच्चों को उच्च शिक्षा की सुविधाएं मिली है। वे मेडिकल, इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं। विदेशों में भी उच्च अध्ययन के लिए जा रहे हैं। राज्य शासन के प्रयासों से अब जनजातीय परिवारों में आर्थि?क उदयमिता बढ़ रही है। वे विकास योजनाओं में उत्साहपूर्वक भागीदारी कर रहे हैं।

राज्य सरकार जनजातीय महानायकों की स्मृति में स्मारकों और संग्रहालयों का निर्माण करा रही है। छिंदवाड़ा में बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय और जबलपुर में राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मुख्य संग्रहालय बनाया गया। जबलपुर एयर पोर्ट और मदन महल फ्लायओवर रानी दुर्गावती के नमा पर किया गया। पचमढ़ी अभयारण्य का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल, टाट्या भील विश्वविद्यालय खरगौन, राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा कुछ उदाहरण है। हम जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति को नमन करते हैं। साथ उन सभी जनजातीय महानायकों का भी स्मरण करते हैं जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय योगदान दिया।

0-लेखक जनजातीय कार्य मंत्री, मध्यप्रदेश शासन हैं।

मोदी और शाह की राजनीतिक योजना में बाधा रहुल

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी और सोशल मीडिया का उसका इकोसिस्टम राहुल गांधी को लेकर लगातार नैरेटिव बदल रहा है। इससे ऐसा लग रहा है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह की राजनीतिक योजना में अगर कोई बाधा दिख रही है तो वह रहुल गांधी हैं। इसलिए पहले दिन से उनकी साख बिगाड़ने और उनकी राजनीति स्थापित नहीं होने देने के प्रयास सतत हैं। इसी प्रयास के तहत उनको पप्पू बताया गया। इसके लिए पूरा तंत्र खड़ा किया गया। हालांकि जब यह प्रयास शुरू हुआ उस समय तक वे दो बार सांसद हो चुके थे। उन्होंने 2009 के बाद सरकार और कांग्रेस संगठन में भी दिलचस्पी लेकर राजनीति की थी। उस समय तक यानी जब भाजपा की कमान लालकृष्ण आडवाणी के हाथ में थी या आडवाणी, वाजपेयी के जमाने के नेताओं के हाथ में थी तब तक राहुल गांधी को पप्पू साबित करने की जरुरत किसी ने नहीं समझी थी।

मगर 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर लड़े तब उनके प्रचार तंत्र ने राहुल को पप्पू साबित करने की मुहिम छेड़ी। यह प्रचार कई बरसों तक चला। उनके बारे में कई झूठी सच्ची बातें फैलाई गईं। उनके वीडियो एडिट करके प्रचारित कराया गया और ऐसी बातें दिखाई गईं, जो उन्होंने कभी नहीं कही थीं। इससे समाज के एक बड़े वर्ग में धारणा भी बनी। इस काम में देश की प्रतिबद्ध मीडिया ने भी सरकार और भाजपा का साथ दिया।

इसके बाद वह दौर आया, जब राहुल गांधी को पप्पू की बजाय अगंभीर नेता साबित करने का अभियान चला। इसमें कांग्रेस से भाजपा में गए कई नेताओं ने बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने अपने अनुभव बताने शुरू किए, घटनाएं बताईं और यह साबित किया कि राहुल का मन राजनीति में नहीं लगता है। यह बताया गया कि वे बड़ी हिचकिचाहट के साथ राजनीति में आएं और नेहरू-गांधी परिवार की राजनीति की सहज उत्तराधिकारी प्रियंका गांधी वाड्रा हैं। कुछ समय तक यह अभियान चला।

इस अभियान के तहत उनके सबैटिकल यानी अचानक बिना किसी को बताए छुट्टी मनाने जाने जाने या कहीं अदृश्य हो जाने या काम से दूरी बना लेने की बातों का प्रचार हुआ। एक समय सचमुच वे काफी समय के लिए कहीं चले गए थे। यह अभियान किसी न किसी रूप में अब भी चलता रहै। अब भी वे चाहे किसी काम के लिए दिल्ली से बाहर या देश से बाहर जाएं तो भाजपा की ओर से इसका प्रचार किया जाता है। पिछले दिनों जब राहुल गांधी ने हरियाणा की मतदाता सूची में गड़बड़ी का खुलासा करने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि ब्राजील की मॉडल की तस्वीरों का इस्तेमाल अनेक मतदाता आई कार्ड में किया गया तो उसका जवाब देने के लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके उसी नैरेटिव को आगे बढ़ाया कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिना बताए थाईलैंड और मलेशिया चले जाते हैं इसलिए उनको हर जगह विदेशी दिखाई देते हैं। इसका मकसद राहुल की साख बिगाड़ना और उनके लगाए आरोपों को मजाक में उड़ा देना था। यह काम भाजपा बहुत कायदे से करती आई है। राहुल की छुट्टियों और यात्राओं को इस नजरिए से पेश किया जाता है।

इसके बाद तीसरे दौर की शुरुआत किसान आंदोलन के आसपास हुई, जब उनको खुल कर देश विरोधी बताया जाने लगा। उसी समय के आसपास भारत के घरेलू राजनीतिक विमर्श में बड़ी गंभीरता के साथ और व्यापक रूप से जॉर्ज सोरोस की एंट्री हुई थी। पता नहीं कहां कहां से तस्वीरें निकाली गईं कि राहुल गांधी अमेरिका में जा कर किससे मिले और ब्रिटेन जाकर किससे?। कहा गया कि वे जिन लोगों से मिले उसमें कोई ऐसा था, जो सोरोस के लिए काम करता था। यह नैरेटिव बनाने का प्रयास हुआ कि सोरोस की फंडिंग से राहुल गांधी देश विरोधी अभियान चल रहे हैं। हालांकि किसान आंदोलन से पहले सीएए के विरोध में भी देश विरोध का नैरेटिव बना था लेकिन किसान आंदोलन से विदेशी टूलकिट की बहुत चर्चा हुई और राहुल गांधी पर निशाना साधा गया। वह अभियान अभी तक तक चल रहा है।

अब पप्पू और अगंभीर नेता के बाद राहुल गांधी को देश विरोधी और अर्बन नक्सल का समर्थक साबित करने का अभियान है। मतदाताओं को बताया जा रहा है कि राहुल गांधी देश विरोधी ताकतों की शह पर नरेंद्र मोदी की सरकार और भारत को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। इसी नैरेटिव के तहत उनके चुनाव आयोग के खुलासे पर भी सवाल हैं। कहा जा रहा है कि विदेशी ताकतों के इशारे पर राहुल देश की संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं। जबकि संस्थाएं किस तरह से काम कर रही हैं, यह किसी को नहीं दिख रहा है। राहुल इन संस्थाओं की संवैधानिक जिम्मेदारी और मर्यादा याद दिला रहे हैं लेकिन इसके लिए उनके ऊपर देश विरोध का टैग लगाया जा रहा है। हालांकि जैसे ही भाजपा ने उनको देश विरोधी या देश के खिलाफ साजिश रचने वाला बताना शुरू किया वैसे ही पप्पू और अगंभीर नेता वाला नैरेटिव उसने खुद ही फेल कर दिया। कोई व्यक्ति पप्पू यानी मूर्ख और साजिशी दोनों एक साथ नहीं हो सकता है। जाहिर है भाजपा अब उनकी चुनौती को गंभीर मानने लगी है।

भारत के प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय और प्रत्येक जिला अस्पताल में अमृत फार्मेसी हो: श्री नड्डा

एचएलएल ने निकट भविष्य में अमृत फार्मेसी दुकानों की संख्या दोगुनी करके 500 करने का संकल्प लिया

अमृत फार्मेसी के 10 साल पूरे: 255 से अधिक दुकाने किफायती स्वास्थ्य सेवा के एक दशक का प्रतीक

अमृत फार्मेसी से 6.85 करोड़ से अधिक रोगियों को दवाओं और प्रत्यारोपणों पर 50%-90% तक की छूट का लाभ मिला

पीआईबी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा ने आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अमृत (उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) फार्मेसी के 10वें वर्षगांठ समारोह का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम किफायती दवाओं की उपलब्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ और सभी के लिए स्वास्थ्य कवरेज के प्रति सार्वजनिक क्षेत्र की निरंतर प्रतिबद्धता को स्वीकार किया।

2015 में अपनी स्थापना के बाद से, अमृत फार्मेसियों ने 50% से 90% तक की छूट पर जीवन रक्षक और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिससे रोगियों, विशेष रूप से निम्न आय वर्ग के लोगों की उपचार लागत में काफी कमी आई है। सभा को संबोधित करते हुए, श्री नड्डा ने अमृत योजना के कार्यान्वयन में निरंतर और उच्च-गुणवत्तापूर्ण प्रयासों के लिए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 2014 में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, सरकार ने सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा को सुलभ, किफायती और न्यायसंगत बनाने का संकल्प लिया था। इसी दृष्टिकोण के साथ जन औषधि और अमृत योजना की परिकल्पना की गई थी - दोनों योजनाओं को किफायती दरों पर दवाइयाँ और चिकित्सा सामग्री उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया था।

श्री नड्डा ने कहा कि अमृत एक मज़बूत राष्ट्रीय नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है जिसमें वर्तमान में 255 से ज़्यादा फ़ार्मेसीज़ चल रही हैं। इस नेटवर्क का देश भर में 500 दुकानों तक विस्तार करने का लक्ष्य है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि जहाँ आज देश के हर एम्स में एक अमृत फ़ार्मेसी है, वहीं अगली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि भारत का हर चिकित्सा महाविद्यालय और हर ज़िला अस्पताल अमृत फ़ार्मेसी हो ताकि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के हर स्तर पर नागरिकों को किफ़ायती दवाइयाँ मिले।

अमृत फार्मेसी की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि ब्रांडेड दवाओं पर 50% की छूट देना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिससे 6.85 करोड़ से अधिक रोगी लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने दोहराया कि अब तक अधिकतम खुदरा मूल्य की 17,000 रुपये से अधिक मूल्य की दवाएं वितरित की जा चुकी हैं जिसके परिणामस्वरूप रोगियों को लगभग 8,500 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

उन्होंने अमृत फार्मेसियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि ज़्यादा से ज़्यादा नागरिकों को अमृत दुकानों के लाभों और उपलब्धता के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए ताकि वे इन किफायती सेवाओं का लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर बोलते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बताया कि अमृत पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे पी नड्डा के मार्गदर्शन में शुरू की गई थी जिसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाओं तक सस्ती, सुलभ और समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और अमृत फार्मेसी नेटवर्क की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ÷एचएलएल परिवार और अमृत फार्मेसी नेटवर्क ने आश्वासन दिया है कि वे नेटवर्क का विस्तार करना, प्रणालियों में सुधार करना और जोश, जुनून और जज्बात के साथ परिचालन को और मजबूत करना जारी रखेंगे।÷

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए, सुश्री अनीता थम्पी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे पी नड्डा के दूरदर्शी नेतृत्व और अमृत पहल के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और स्वास्थ्य सचिवों के निरंतर मार्गदर्शन की भी सराहना की जिनका सहयोग पिछले एक दशक में अमृत के विकास में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने एचएलएल और अमृत टीमों के अथक समर्पण की सराहना की जिनकी जमीनी स्तर पर प्रतिबद्धता ने सभी नागरिकों को किफायती दवाइयाँ उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया है।

इस कार्यक्रम के दौरान, श्री जे पी नड्डा ने पूरे भारत में 10 नए अमृत आउटलेट्स का उद्घाटन भी किया। यह देश भर के रोगियों के लिए आवश्यक दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति तक किफायती पहुँच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अमृत आईटी - इको ग्रीन वर्जन 2.0 का भी शुभारंभ किया। यह एक उन्नत और अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो अमृत नेटवर्क में संचालन को सुव्यवस्थित करेगा, पारदर्शिता बढ़ाएगा और दक्षता में सुधार करेगा। इस कार्यक्रम में भारतीय डाक के सहयोग से कस्टमाइज़्ड माई स्टैम्प का विमोचन भी किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान, अमृत की दशक की उपलब्धियों, सफलता की कहानियों और स्वास्थ्य सेवा की सुलभता पर इसके प्रभाव को दर्शाती एक कॉफ़ी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। इसके अतिरिक्त, एनसीआर क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच के लिए एक मोबाइल फ़ार्मेसी वैन को हरी झंडी दिखाई गई। इससे वंचित और दूरदराज क्षेत्र के लोगों तक किफ़ायती दवाइयाँ घर-घर पहुँचाई जा सकेंगी। इसके अलावा, नागरिक संपर्क को मज़बूत करने के लिए, दवाओं की उपलब्धता, कीमतों और निकटतम अमृत फ़ार्मेसी स्थानों के बारे में रीयल-टाइम सहायता प्रदान करने के लिए एक 24×7 राष्ट्रीय संपर्क केंद्र का उद्घाटन किया गया।

मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दक्षिण कोरिया में हनवा ओशन के जहाज निर्माण केंद्र का दौरा किया

भारत-कोरिया समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं

पीआईबी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज दक्षिण कोरिया के जिओजे में हनवा ओशन की विशाल जहाज निर्माण केंद्र का दौरा किया। यह दौरा 13-15 नवंबर 2025 तक कोरिया गणराज्य में मंत्री महोदय के कार्यक्रमों का एक प्रमुख आकर्षण है जिसका उद्देश्य समुद्री सहयोग को गहरा करना और जहाज निर्माण, बेड़े विकास एवं ऊर्जा परिवहन में अवसरों के बढ़ाना है। ये कार्यक्रम समुद्री अमृत काल विजन 2047 के तहत भारत के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं जिसका उद्देश्य भारत के वाणिज्यिक बेड़े की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करना, घरेलू जहाज निर्माण ढांचे को बढ़ाना और जहाज संचालन, समुद्री इंजीनियरिंग एवं संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है।

हनवा ओशन के दौरे के दौरान, मंत्री महोदय को कंपनी की जहाज निर्माण क्षमताओं, उन्नत जहाज निर्माण प्रक्रियाओं और समुद्री प्रौद्योगिकियों में नवाचार के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि विश्व में सबसे तेज़ी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के तेज़ विस्तार से सहयोग के महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रही है। श्री पुरी ने कहा कि भारत के ऊर्जा सार्वजनिक उपक्रम माल ढुलाई पर सालाना लगभग 5-8 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करते हैं और उन्हें लगभग 59 जहाजों की तत्काल आवश्यकता है। यह हनवा ओशन जैसे वैश्विक नेताओं के लिए इन जहाजों के घरेलू निर्माण में भारत के साथ साझेदारी करने का एक बड़ा अवसर है।

50 मेगावाट हाइब्रिड परियोजना को अंतिम रूप दिये जाने से भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को प्रोत्साहन मिला

पीआईबी

भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अंतर्गत नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) ने आज नंदयाल में 1200 मेगावाट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) और 50 मेगावाट क्षमता की हाइब्रिड सौर परियोजना के विकास के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ सरकारी आदेशों (जीओ) का आदान-प्रदान किया।

यह आदान-प्रदान विशाखापत्तनम में आयोजित आंध्र प्रदेश साझेदारी शिखर सम्मेलन 2025 के ऊर्जा सत्र के दौरान हुआ, जिसका आयोजन आंध्र प्रदेश सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा सीआईआई के सहयोग से किया गया था।

परियोजना अनुमोदन और अधिदेश

विद्युत मंत्रालय ने 23 जनवरी 2025 के एक आदेश के माध्यम से, बाजार-आधारित परिचालनों के तहत 1200 मेगावाट क्षमता वाली बीईएसएस परियोजना के लिए एसईसीआई को कार्यान्वयन एजेंसी नामित किया। इसके बाद, एसईसीआई बोर्ड के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार सारंगी ने 22 अक्टूबर 2025 को इस परियोजना को मंजूरी दे दी। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय दोनों परियोजनाओं की प्रगति और विकास पर करीबी निगरानी रख रहा है।

एसईसीआई पूंजीगत व्यय मोड के तहत परियोजनाओं का विकास करेगी

बीईएसएस और हाइब्रिड सौर परियोजनाएं दोनों ही कैपेक्स मोड के तहत विकसित की जाएंगी, जिसमें एसईसीआई पूर्ण निवेश जिम्मेदारियां उठाएगी।

आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री गोट्टीपति रवि कुमार ने आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री के. विजयानंद और एनआरईडीसीएपी के उपाध्यक्ष एम. कमलाकर बाबू की उपस्थिति में एसईसीआई को औपचारिक रूप से सरकारी आदेश सौंपे। एसईसीआई का प्रतिनिधित्व श्री शिवकुमार वेंकट वेपाकोम्मा और श्री रोहित चौबे ने किया।

भारत के स्वच्छ ऊर्जा इको-सिस्टम का सुदृढ़ीकरण सरकारी आदेशों का आदान-प्रदान आंध्र प्रदेश के नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। एसईसीआई ने भारत के हरित, अधिक लचीले ऊर्जा भविष्य की ओर परिवर्तन में गति लाने के लिए राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों के साथ साझेदारी करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ये परियोजनाएं मिलकर स्वच्छ ऊर्जा भंडारण क्षमता में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत देती हैं, जो राज्य के नवीकरणीय इको- सिस्टम को सुदृढ़ करती हैं और भारत के एक अधिक लचीले, भंडारण-सक्षम हरित ग्रिड की ओर परिवर्तन को सक्षम बनाती हैं।

आंध्र प्रदेश के लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम को डिजिटल बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये

यूनिफॉयड लॉजिस्टिक्स इंटरफ़ेस प्लेटफ़ॉर्म वास्तविक समय में लॉजिस्टिक्स जानकारी प्रदान करेगा

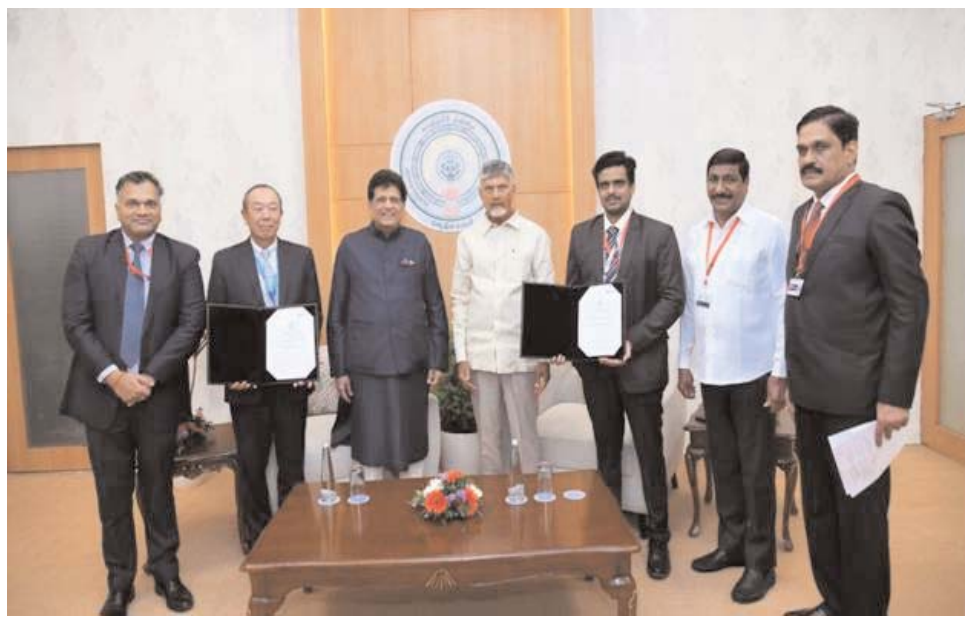

पीआईबी

नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनआईसीडीसी), लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीएसएल) और आंध्र प्रदेश सरकार ने 14 नवंबर 2025 को विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें सीआईआई भागीदारी शिखर सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य यूनिफॉयड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) का लाभ उठाकर आंध्र प्रदेश में लॉजिस्टिक्स परिदृश्य को डिजिटल बनाना है।

इस पहल के तहत, आंध्र प्रदेश में सरकारी और निजी हितधारकों को राज्य के लॉजिस्टिक्स प्रचालनों और प्रदर्शन संकेतकों की वास्तविक समय में जानकारी प्रदान करने के लिए एक मज़बूत एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म विकसित और कार्यान्वित किया जाएगा। इस प्लेटफ़ॉर्म का उद्देश्य समन्वय को बढ़ाना, दक्षता में सुधार करना और सभी क्षेत्रों में सूचित निर्णय लेने में सहायता करना है, जिससे हितधारकों को वास्तविक समय की जानकारी की निर्बाध सुविधा प्राप्त हो सके। इनकैप के माध्यम से, आंध्र प्रदेश सरकार एनएलडीएसएल के साथ मिलकर एक इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स डैशबोर्ड बनाएगी ताकि राज्य के विभिन्न विभागों में लॉजिस्टिक्स से संबंधित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) की निगरानी की जा सके। इस डैशबोर्ड से प्राप्त विश्लेषणात्मक जानकारी और कार्रवाई योग्य रिपोर्टों का उपयोग यूएलआईपी की क्षमताओं का लाभ उठाकर राज्य के लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम को सुदृढ़ और उन्नत बनाने के लिए किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों को लॉजिस्टिक्स विकास के साथ एकीकृत करने में एक बड़ी उपलब्धि है और कुशल, आधुनिक तथा लचीली आपूर्ति-श्रृंखला अवसंरचना में वैश्विक रूप से एक अग्रणी देश के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने में योगदान देता है।

एनआईसीडीसी के सीईओ एवं एमडी तथा एनएलडीएसएल के अध्यक्ष श्री रजत कुमार सैनी की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से इनकैप के वीसी एवं एमडी श्री सीवी प्रवीण आदित्य और एनएलडीएसएल के सीईओ श्री ताकायुकी कानो ने हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के अनुरूप विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स अवसंरचना के निर्माण की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है।

भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष ने संसद परिसर में भगवन बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू; भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति श्री सी. पी. राधाकृष्णन; लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला; संसदीय कार्य मंत्री एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू; राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश; सांसदगण; पूर्व सांसद तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आज संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती–जनजातीय गौरव दिवस–के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अभ्यास गरुड़ 25 : भारतीय वायु सेना ने फ्रांस के वायु और अंतरिक्ष बल के साथ द्विपक्षीय वायु अभ्यास के 8वें संस्करण में भाग

पीआईबी

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) 16 से 27 नवंबर, 2025 तक फ्रांस के मोंट-डे-मार्सन में फ्रांस के वायु एवं अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) के साथ द्विपक्षीय वायु अभ्यास 'गरुड़ 25' के आठवें संस्करण में भाग ले रही है। भारतीय वायु सेना की टुकड़ी 10 नवंबर 2025 को फ्रांस पहुंची और वह एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमान के साथ भाग लेगी। अभ्यास के इंडक्शन और डी-इंडक्शन चरणों के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर ढुढुढु द्वारा एयरलिफ्ट सहायता प्रदान की जा रही है, जबकि भाग लेने वाले लड़ाकू विमानों के रेंज और स्थायित्व को बढ़ाने के लिए आईएल-78 हवा से हवा में ईंधन भरने वाले टैंकरों का उपयोग किया जा रहा है।

अभ्यास के दौरान, भारतीय वायुसेना का एसयू-30एमकेआई विमान, फ्रांस के बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों के साथ जटिल कृत्रिम हवाई युद्ध परिदृश्यों में, हवा से हवा में युद्ध, वायु रक्षा और संयुक्त हमला अभियानों पर केंद्रित, प्रचालन करेगा। इस अभ्यास का उद्देश्य एक वास्तविक प्रचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना, पारस्परिक शिक्षा को सक्षम बनाना और भारतीय वायुसेना और एफएएसएफ के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ावा देना है। गरुड़ 25 अभ्यास दोनों वायु सेनाओं के बीच प्रोफेशनल बातचीत, प्रचालनगत ज्ञान के आदान-प्रदान और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करता है। इस अभ्यास में भागीदारी, बहुपक्षीय अभ्यासों के माध्यम से मित्रवत विदेशी वायु सेनाओं के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और वायु संचालन के क्षेत्र में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की भारतीय वायु सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

कदमझरिया में चलित वाहन से अब होगा घर-घर राशन वितरण

'दूरस्थ अंचल तक पहुँचा अन्न का अधिकार '

रायपुर, जनजातीय बाहुल्य एवं अनुसूचित जिला कोरबा के दुर्गम और दूरस्थ अंचलों में निवासरत ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं का लाभ सुलभ कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में हाल ही में एक ऐसी पहल की गई, जिसने ग्राम कदमझरिया के पहाड़ी कोरवा जनजातीय परिवारों के जीवन में राहत और भरोसे की नई किरण जगाई है।

ग्राम पंचायत गढ़उपरोड़ा के आश्रित ग्राम कदमझरिया में रहने वाले लगभग 35 राशनकार्डधारी परिवारों को प्रतिमाह शासन की महत्वाकांक्षी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन प्राप्त करने के लिए 6 से 7 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत मुख्यालय तक पैदल जाना पड़ता था। पहाड़ी मार्गों और सीमित परिवहन सुविधा के कारण यह कार्य विशेष रूप से महिलाओं, वृद्धजनों और बच्चों के लिए अत्यंत कठिन था।

इस समस्या से ग्रामीणों ने बुधवार, 12 नवम्बर 2025 को गाँव के दौरे पर पहुँचे कलेक्टर श्री अजीत वसंत को अवगत कराया। ग्रामीणों की पीड़ा सुनते ही जिलाधीश ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए समाधान के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला खाद्य अधिकारी घनश्याम कँवर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र एक दिन के भीतर, 13 नवम्बर 2025 से ही, ग्राम कदमझरिया में चलित वाहन (मोबाइल पीडीएस यूनिट) के माध्यम से राशन वितरण की वैकल्पिक व्यवस्था प्रारंभ कर दी। अब पहाड़ी कोरवा जनजाति के परिवारों को अपने ही गाँव में अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल जिला प्रशासन की तत्परता और संवेदनशीलता का प्रमाण है, वही कदमझरिया के निवासियों के लिए यह सुविधा किसी वरदान से कम नहीं, अब उन्हें न लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी, न ही राशन पाने के लिए किसी असुविधा का सामना करना होगा।

करमरी-करेठी सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व सांसद अभिषेक सिंह से भेंट

***ग्राम करमरी के सरपंच व ग्रामीणों ने जताई गहरी चिंता**

राजनांदगांव, करमरी से करेठी तक जर्जर सड़क को दुरुस्त कराने की लंबे समय से उठ रही मांग को लेकर ग्राम करमरी के प्रतिनिधिमंडल ने आज पूर्व सांसद अभिषेक सिंह से सौजन्य मुलाकात की। ग्रामीणों ने अवगत कराया कि यह सड़क वर्ष 1962 में निर्मित हुई थी, जिसके बाद से अब तक इसका पुनर्निर्माण या चौड़ीकरण नहीं हो पाया है।

प्रतिनिधियों ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति से प्रतिदिन हजारों ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विधायक, सांसद, कलेक्टर से लेकर मंत्रियों तक कई बार निवेदन किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने अपनी विकास यात्रा के दौरान देवरीङ्ककरमरीङ्कखुज्जी तक सड़क चौड़ीकरण की घोषणा की थी, परंतु वर्षों बाद भी सड़क जर्जर अवस्था में ही बनी हुई है।

सरदार पटेल जयंती समारोह जांजगीर में शामिल होंगे भूपेश बघेल

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर के ऑडिटोरियम में कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला जांजगीर-चांपा के द्वारा 16 नवंबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री निवास कार्यालय रायपुर से जारी प्रोटोकॉल के अनुसार श्री भूपेश बघेल 16 नवंबर को दोपहर 12.30 बजे ऑडिटोरियम जांजगीर पहुंचेंगे। वे कार्यक्रम में दोपहर 1.30 बजे तक शामिल रहेंगे तत्पश्चात् जांजगीर से लोरमी के लिए प्रस्थान करेंगे। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के लिए माननीय वित्त मंत्री छ.ग. शासन श्री ओ.पी. चौधरी, माननीय राजस्व मंत्री छ.ग. शासन श्री टंकराम वर्मा, विधायक बिल्हा श्री धरमलाल कौशिक, पूर्व विधायक श्री नारायण चंदेल सहित कुर्मी समाज के राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों को भी कुर्मी क्षत्रिय समाज की ओर से आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भारत रत्न, लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में कुर्मी समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

भक्त माता कर्मा क्रिकेट कप में खिलाड़ियों का दमखम, हर मैच में दिखा जोश और जज्बा

लोकशक्ति

राजनांदगांव। जिला अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में जिला साहू सदन बसंतपुर में पहली बार भक्त माता कर्मा क्रिकेट कप प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। संयोजक यशवंत साहू ने बताया कि प्रतियोगिता में जिलेभर की 12 टीमों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिनमें धनगांव, बोरी, सिंघोला, डोम्हाटोला, तुमडीबोड़, सुंदरा, कन्हारपुरी ऑल वन, घोरदा, बसंतपुर, नंदई और सालिकझिटिया की टीमें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष इस आयोजन को फ्लड लाइट में और अधिक भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा।

दूसरे दिन के मुकाबलों में रोमांच

शनिवार को खेले गए पहले मैच में कन्हारपुरी और सिंघोला आमने-सामने हुए। सिंघोला ने टॉस जीतकर फील्डिंग का फैसला लिया। 6 ओवर के मुकाबले में कन्हारपुरी ने 56 रन का लक्ष्य रखा, जिसका पीछा करते हुए सिंघोला टीम लक्ष्य तक नहीं पहुँच सकी। इस मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए रूपेश साहू को मैन ऑफ द मैच का सम्मान दिया गया।

दूसरे मैच में सिंघोला और घोरदा की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें घोरदा ने शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विनय साहू को मैन ऑफ द मैच मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

मोतीलाल साहू ने खिलाड़ियों का बढ़ाया मनोबल जिला साहू संघ के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष मोतीलाल साहू ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और सभी खिलाड़ियों को अनुशासन, निरंतरता और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित रहे समाजजन और खिलाड़ी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से यशवंत साहू, माधव साहू, अनिल साहू, राघवेंद्र साहू, करण साहू, जितेंद्र साहू, राजेश, लोकेश, रूपेश, भोज, गजीर, हिरदे, लविंद्र, छत्रू, मिलन, परदेसी, राम साहू, डॉ. चेतन साहू, दुलार, ओमप्रकाश, तामेश्वर हिरवानी, रूपेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

भक्त माता कर्मा क्रिकेट कप प्रतियोगिता समाज के युवाओं में खेल के प्रति ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक खेल-संस्कृति को बढ़ावा दे रही है।

आदिम जाति सहायक समिति ढढाटोला में धान खरीदी का शुभारंभ

जांजगीर चांपा /

आदिम जाति सहायक समिति ढढाटोला, बांधा बाजार में आज धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मोहला-मानपुर-अ.चौकी के जिला अध्यक्ष अरुण यादव उपस्थित रहे।

इसके साथ ही जनपद सदस्य अ.चौकी संदीप मेश्राम, समिति अध्यक्ष चैन सिंह नेताम, जिला सहकारी बैंक बल्क अधिकारी बोहरन नेताम सहित क्षेत्र के कृषक व गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम में सूर्य नारायण सिंहा, लेखराम सिंहा, उदयराम साहू, गिरधर साहू, हरि साहू, आनंदराम, समारूराम, थानेश्वर, गुलाब, गोविंद, ओमप्रकाश, रामाधार सिंह, रामनारायण सिंह, अरविंद गुप्ता, शिव यादव सहित अनेक किसान उपस्थित रहे। धान खरीदी केंद्र में किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया तथा सुचारू एवं पारदर्शी खरीदी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

बिहार विजय पर भाजपा ने मनाया जशन

जांजगीर चांपा /

भारतीय जनता पार्टी जिला जांजगीर चाम्पा द्वारा कचहरी चौंक जांजगीर मे जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े के नेतृत्व मे बिहार मे एन डी ए की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा आम जनता के साथ मिठाई वितरण कर फटाके फोड़कर जीत की एक दुसरे को बधाई दी । स्वागत करने वालो मे पूर्व सांसद कमला पाटले जिला महामंत्री नंदनी रजवाड़े जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल रजनी साहु आशुतोष गोस्वामी अमर सुल्तानिया रेखा गढ़वाल मंडल अध्यक्ष हितेश यादव अनिल शर्मा विवेक सिंह सुधीर झाझडिया शिव चमन ठाकुर मोतीलाल डहरिया अजित गढ़वाल रितेश अग्रवाल सुशील सिंह पुष्पेंद्र निर्मलकर प्रेम थवाईत देव गढ़वाल रितेश राठौर सोनु यादव हरि सोनवानी सुनील शर्मा राकेश रुपवानी सतीश शर्मा दिनेश राठौर उमा सोनी सविता तिवारी गोलु दुबे प्रदीप राठौर लालू साहू सहित अनेक भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर नि :शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर

संवाददाता। कमल विहार रायपुर में स्थित डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल अपनी पहली वर्षगांठ मना रहा है इस अवसर पर 13 नवंबर से 17 नवंबर तक निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है । इस अवसर पर वरिष्ठ चिक्तित्सकों डॉ. अभिमन्यु साहू, डॉ. अविनाश बैस, डॉ. एम.फैजन खान, डॉ. दामनी साहू, डॉ. गौरव देवांगन, डॉ. पारूल तिवारी, डॉ. आस्था ,डॉ देवयानी राठौर, डॉ ख्याति पटेल,डॉ समीक्षा राठौर द्वारा जोडों का दर्द , पाइल्स (फिशर/फिस्टुला), बाँझपन, नसों का दर्द, अस्थमा, स्त्रीरोग, लकवा, आँख से संबंधित, लिवर संबंधित, गठिया वात, थायराइड, चर्म रोग आदि का निःशुल्क परामर्श दिया जा रहा है , इसके अलावा यहाँ निःशुल्क प्री क्र्क्ष (हड्डी जांच)/ URIC ACID जाँच/ ब्लड प्रशर/ ब्लड शुगर की जाँच भी होगी व सभी प्रकार के खुन की जाँच में 50त्र तक का डिस्काऊंट भी दिया जा रहा है। प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ अभिमन्यु साहू के बताया की छत्तीसगढ़ की जागरूक जनता अब वापस आयुर्वेद की ओर लौट रही है और अपना भरोसा आयुर्वेद पे जता रही है इसका सबूत है की हमने पिछले 1 साल में 3000 से अधिक मरीजों का सफ्लतापूर्वक उपचार किया है हमारा हॉस्पिटल मल्टीस्पेसिलिटी हॉस्पिटल है यहाँ सभी रोगों का इलाज होता है हमारे यहाँ 10 से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम है व थेरापिस्ट विशेष रूप से केरला से आए हुए है । हमारा हॉस्पिटल छत्तीसगढ़ शासन से मान्यताप्राप्त है, सरकारी कर्मचारी एवम उनके परिवार हमारे यहाँ इलाज का रीइंबर्समेंट ले सकते है ।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा का जांजगीर चाम्पा जिले मे प्रथम आगमन कल

संवाददाता

आत्मनिर्भर भारत युवा सम्मेलन मे शामिल होकर करेंगे जिला के युवाओ व भाजपा कार्यकर्ताओ को संबोधित स्वागत को लेकर जिले के युवा मोर्चा कार्यकर्ताओ ने की बड़ी तैयारी नगर को फ्लैक्स बैनर पोस्टर से सजाया जाएगा जगह जगह नगर के चौक चौराहे पर युवा मोर्चा के कार्यकर्ता करेंगे अपने प्रदेशाध्यक्ष का फ्टाका ढोल नगाड़े ताशा के साथ स्वागत बाइक रैली निकालेंगे कार्यकर्ता खुली जिप्सी मे खड़े होकर प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा करेंगे आम जन व कार्यकर्ताओ का अभिनन्दन भाजपा कार्यालय जांजगीर मे राहुल टिकरिहा करेंगे हजारो युवा मोर्चा के कार्यकर्ता से युवा जोहार कार्यक्रम युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र देवांगन एवं जिलाध्यक्ष मुकेश जायसवाल ने जिले के सभी वरिष्ठ नेतागण समस्त पदाधिकारीगण सभी मोर्चा के पदाधिकारी व समस्त भाजपा कार्यकर्ताओ से कार्यक्रम मे अपने प्रदेशाध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम मे पहुंचने की अपील की है

शासकीय प्राथमिक शाला उरईडबरी में FLN मेला एवं बाल दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा*

उरईडबरी। शासकीय प्राथमिक शाला उरईडबरी में आज FLN (Foundational Literacy & Numeracy) मेला एवं बाल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी डोंगरगढ़ श्री गोपीराम वर्मा, प्रधानपाठक श्रीमती रेखा देशलहरे, शिक्षक श्री ऋतुराज साहू, श्रीमती पदमा चंद्रवंशी, ग्राम पंचायत उरईडबरी की सरपंच श्रीमती तोरण मार्कण्डेय, पंच श्री मदनलाल, योगी लाल वर्मा सहित सम्मानित जनप्रतिनिधि एवं अभिभावक उपस्थित रहे। FLN मेले में भाषा एवं गणित आधारित शिक्षण सामग्री, सीखने-सीखाने की नवाचार विधियाँ, बच्चों की रचनात्मक कृतियों का प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने मॉडल, चार्ट, गोष्ठी, खेल आधारित शिक्षा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बाल दिवस पर पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। अतिथियों ने बच्चों को मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षा के महत्व पर प्रेरक संदेश दिए।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय परिसर पूरे दिन उत्साह, आनंद और सहभागिता से सराबोर रहा।

खास खबर

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

उद्योग मंत्री देवांगन और राज्यसभा सांसद श्रीदेवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया पौधरोपण

कोरबा, देश के पहले उप प्रधानमंत्री और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित यूनिटी मार्च कार्यक्रम में पंहुचे मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विषिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ षासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सरदार पटेल परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेष दिया। उन्होंने बादाम के पौधे रोपित कर पौधे के सुरक्षा पर विषेष ध्यान देने की बात कही। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रेमलता यादव भी उपस्थित थी।

नशामुक्त भारतबनाने एवंआत्मनिर्भर भारत कोरबावासियों ने ली षपथ

कोरबा,। देश के पहले उप प्रधानमंत्री और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित यूनिटी मार्च कार्यक्रम में पंहुचे मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विषिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ षासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों, कालेज के छात्र-छात्राओं, एनएसएस, एनसीसी कैडेट्स सहित उपस्थित आमनागरिकों को नषा से दूर रहने और देष को आगे बढ़ाने, आत्मनिर्भर भारत बनाने हेतु देष में बने उत्पादों का उपयोग करने एवं अपने आस-पास स्वदेषी अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर श्री अजीत वसंत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर सहित पार्षदगण जनप्रतिनिधिगण, आम नागरिकगण उपस्थित थे।

नवीन कुटुम्ब न्यायालय भवन निर्माण के लिए दावा आपत्ति आमंत्रित

कोरबा,)। तहसीलदार न्यायालय कटघोरा द्वारा आम जनता को सूचित किया गया है कि तहसील कटघोरा अंतर्गत नवीन कुटुम्ब न्यायालय भवन निर्माण हेतु व्यवहार न्यायालय भवन परिसर कटघोरा के अभियोजन कार्यालय के समीप शासकीय भूमि ख.नं. 2109/1क रकबा 1.526 हे. में से 40 गुणा 40 मीटर अर्थात 40 डिसमिल शासकीय भूमि आबंटित किये जाने के संबंध में मूल प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कटघोरा के माध्यम से जांच एवं प्रतिवेदन हेतु।

पी.एम.ए.वाई. शासन की महत्वपूर्ण व फ्लेगशिप योजना, योजना के कार्यो में कोताही स्वीकार्य नहीं - आयुक्त

० आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित निगम के विकास व निर्माण कार्यो, राजस्व वसूली, भवन निर्माण अनुमति, अतिक्रमण व अवैध निर्माण सहित विविध कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा की

कोरबा 14 नवम्बर (आरएनएस)। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की अतिमहत्वपूर्ण व फ्लेगशिप योजना है, अतः योजना से जुड़े कार्यो में धीमी कार्यप्रगति कतई स्वीकार्य नहीं होगी, अतः कार्य प्रगति में तेजी लाएं, जिन आवासगृहों का निर्माण प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें प्रारंभ कराएं तथा निर्माणाधीन आवासगृहों की कार्यप्रगति में तेजी लाकर समयसीमा में निर्माण कार्य पूरा करवाएं। उन्होने कहा कि सभी जोन कमिश्नर व्यक्तिगत रूचि लेकर अपने-अपने क्षेत्र में साईट विजिट करें, हितग्राहियों से चर्चा करें तथा आवासगृहों का निर्माण प्रारंभ करने तथा समयसीमा में निर्माण को पूरा करने हेतु उन्हें प्रेरित व प्रोत्साहित करें।

आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के अधिकारियों, जोन कमिश्नरों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना सहित निगम के विकास व निर्माण कार्यो, नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यो, भवन निर्माण अनुमति, राजस्व वसूली, अवैध निर्माण व अतिक्रमण सहित विविध कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा की। बैठक के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने प्रधानमंत्री आवास योजना की कार्यप्रगति पर विशेष रूप से फोकस करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि आवासगृहों के निर्माण से जुड़े विभिन्न चरणों के कार्यो में अपेक्षित तेजी लाएं, जिन आवासगृहों का निर्माण हितग्राहियों द्वारा प्रारंभ नहीं किया गया है, ऐसे हितग्राहियों को प्रेरित व प्रोत्साहित करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ करवाएं, साथ ही फाउंडेशन, लेंटल व रूफ लेबल आदि तक पहुंचे आवासगृहों के निर्माण कार्यो में अपेक्षित तेजी लाकर निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु उन्हें प्रेरित व प्रोत्साहित करें। आयुक्त श्री पाण्डेय ने योजना के ए.एच.पी.घटक अंतर्गत निर्मित आवासगृहों के आबंटन की स्थिति की समीक्षा की तथा आबंटित आवासगृहों में हितग्राहियों की शिफ्टिंग के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

बिना अनुमति निर्माण पर करें कार्यवाही - आयुक्त श्री पाण्डेय ने भवन निर्माण अनुमति से जुड़े कार्यो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन निर्माण अनुमति हेतु प्राप्त आवेदनों व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होने कहा कि निगम क्षेत्र में सामान्य सर्वे कराएं तथा यह देखें कि कहॉ-कहॉ पर बिना अनुमति के निर्माण हो रहा है, बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण की जोनवार सूची बनाएं, संबंधितों को नोटिस जारी करें तथा नियमों के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

राजस्व वसूली में तेजी लाएं - आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम की राजस्व वसूली से जुड़े कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा करते हुए सम्पत्तिकर, समेकित कर, जलकर, भवन दुकान किराया सहित अन्य करों की वसूली की वर्तमान कार्यप्रगति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वसूली कार्यो में तेजी लाई जाए तथा समयसीमा में प्रदत्त लक्ष्य को पूरा किया जाए। उन्होने बड़े बकायादारों की सूची तैयार करने तथा बकायाकरों की वसूली हेतु नियमों के तहत विशेष कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा - आयुक्त श्री पाण्डेय ने बैठक के दौरान निगम के विभिन्न विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा की। उन्होने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, वित्त आयोग मद, सांसद मद, विधायक मद, प्रभारी मंत्री मद, निगम मद, पार्षद मद सहित विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत, प्रगतिरत विकास कार्यो की वर्तमान कार्यप्रगति की जोनवार व वार्डवार समीक्षा करते हुए कार्यप्रगति में तेजी लाने, स्वीकृत कार्यो की निविदा की कार्यवाही समयसीमा में पूरी करने, नवीन कार्यो को प्रारंभ कराने तथा प्रगतिरत कार्यो को पूरी गुणवत्ता के साथ समयसीमा में पूरा करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, उपायुक्त नीरज कौशिक व बी.पी.त्रिवेदी, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, अखिलेश शुक्ला, एन.के.नाथ, प्रकाश चन्द्रा, तपन तिवारी, राकेश मसीह, सुनील टांडे, राजस्व अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, पीयूष राजपूत, आकाश अग्रवाल, लीलाधर पटेल, यशवंत जोगी, विपिन मिश्रा, मोतीलाल बरेठ, सुशील सोनी, रमेश सूर्यवंशी, विनोद गोंड़, किरण साहू, आदि के साथ पी.एम.ए.वाई.के. सी.एल.टी.सी., पी.एम.सी. आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

किसान समृद्धि का आधार - पशुपालन: कोरबा में 25 वर्षों की सुनहरी सफलता की कहानी

स्वस्थ पशु, समृद्ध किसान - यही ग्रामीण विकास की पहचान

कोरबा, कृषि प्रधान देश भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था सदियों से खेती पर आधारित रही है, किंतु समय के साथ यह स्पष्ट हो गया है कि किसान की समृद्धि केवल खेत की फसल पर निर्भर नहीं रह सकती। पशुपालन आज ग्रामीण आजीविका का दूसरा मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। दूध, गोबर, अंडे जैसे उत्पाद न केवल किसानों को अतिरिक्त आय देती है, बल्कि ग्रामीण उद्योगों और जैविक खेती को भी नई दिशा प्रदान करती है।

पशुपालन से जुड़ी गतिविधियाँ जैसे दुग्ध उत्पादन, डेयरी प्रसंस्करण और गोबर से जैविक खाद या बायोगैस निर्माण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायित्व दे रही हैं। इससे किसानों को सालभर आय के अवसर मिल रहे हैं और रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं।खेत में मेहनत करने वाले हाथों तभी सशक्त बनते हैं जब उनके पास स्वस्थ और उत्पादक मवेशी हो, इसी सोच को साकार करते हुए कोरबा जिले के पशु चिकित्सा सेवाएँ विभाग ने पिछले 25 वर्षों (2000 से 2025) में ऐसी उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिन्होंने न केवल पशुपालन की दिशा बदली बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाई। पशु चिकित्सा सेवाओं विभाग ने योजनाओं के माध्यम से न केवल पशुओं का उपचार किया बल्कि किसानों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया है।

सेवा और समर्पण से बदली तस्वीर

वर्ष 2000 में जहाँ विभाग की गतिविधियाँ सीमित दायरे में थीं, वहीं 2025 तक कोरबा जिले के लगभग हर गाँव तक पशु चिकित्सा सेवाओं की पहुँच बन चुकी है।पशु उपचार की संख्या 28 हजार 822 से बढ़कर 95 हजार 097 तक पहुँच गई है, औषधि वितरण में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज किया गया है, वर्ष 2000 के 26 हजार 766 से बढ़कर वर्ष 2025 में 95 हजार 550 हो गई है।

विभाग ने पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम गर्भाधान पर विशेष ध्यान दिया। जिले मे वर्ष 2000 में जहाँ मात्र 57 कृत्रिम गर्भाधान हुए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 20 हजार 481 तक पहुँच गई। वत्सोपादन 71 से बढ़कर 05 हजार 227 की गई है। यह वृद्धि बताती है कि अब किसान उन्नत नस्लों के माध्यम से बेहतर दूध उत्पादन की ओर अग्रसर हैं। बधियाकरण में भी भारी प्रगति दर्ज करते हुए 05 हजार 049 से बढ़कर 20 हजार 201 हो गई है। वर्तमान में डीटीकिंग 67 हजार 197 एवं कृमिनाशक दवापान 60 हजार 697 की गई है।

रोगमुक्त पशुधन की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति

पशुओं को रोगों से बचाने के लिए बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाए गए है। वर्ष 2000 में केवल 1.16 लाख टीकाकरण हुए थे, 2025 में यह संख्या बढ़कर 13 लाख 78 हजार 129 तक पहुँच गई। यह उपलब्धि जिले को रोगमुक्त पशुधन क्षेत्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

व्यक्तिमूलक योजनाओं की उपलब्धियाँ कुक्कुट और बकरी पालन से ग्रामीणों को मिला नया सहारा

ग्रामीण किसानों की आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग ने कई योजनाएँ संचालित की हैं। विभाग की बैकयार्ड कुक्कुट इकाई वितरण योजनांतर्गत वर्ष 2025 तक 550 इकाइयाँ वितरित की जा चुकी हैं।

पटवारी गोविन्द राम कंवर निलंबित

कोरबा,। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा तहसील कार्यालय पसान के पटवारी गोविन्द राम कंवर के विरूद्ध थाना जांजगीर में आपराधिक प्रकरण दर्ज होने के कारण पटवारी गोविन्द राम कंवर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय भू-अभिलेख शाखा, कोरबा नियत किया गया है। निलंबन काल में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यालय सिटी कोतवाली जांजगीर, जिला-जांजगीर चांपा (छत्तीसगढ़) के पत्रक्रमांक/थ.प्र./सिटी कोत. जांजगीर/2225/2025 दिनांक 26.10.2025 द्वारा थाना जांजगीर के अपराध क्रमांक 961/2025, धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत एक शासकीय सेवक के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज होने की सूचना प्राप्त हुई।उक्त सूचना के परिप्रेक्ष्य में यह पाया गया कि पटवारी श्री गोविन्द राम कंवर, तहसील कार्यालय पसान, जिला-कोरबा (छ.ग.), ने अपने पदीय क्षेत्र के शासकीय कार्यों के प्रति प्रमाद एवं घोर लापरवाही बरती है, जो कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3(1)(क), (ख) एवं (ग) का उल्लंघन है।

उक्त आचरण को ध्यान में रखते हुए, कलेक्टर श्री अजीत वसंत, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के अंतर्गत तत्कालीन पटवारी श्री गोविन्द राम कंवर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय भू-अभिलेख शाखा, कोरबा नियत किया गया है। निलंबन काल में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

आयुष विभाग एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

200 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, औषधि वितरण और नशा मुक्ति का संदेश दिया गया

कोरबा

। आयुष विभाग जिला कोरबा एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय माध्यमिक विद्यालय सीतामणी, कोरबा में रक्त परीक्षण एवं आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 200 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आयुर्वेदिक औषधियाँ वितरित की गईं।

कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम्' गीत के सामूहिक गायन से हुई, जिसके बाद चिकित्सा परीक्षण कार्य प्रारंभ हुआ। शिविर के दौरान नशा मुक्ति अभियान भी संचालित किया गया तथा विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।शिविर के माध्यम से बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशा से दूर रहने और आयुर्वेद के महत्व को समझने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. उदय शर्मा (जिला आयुष अधिकारी), डॉ. सपना मिश्रा, डॉ. रवि कुमार राय, डॉ. अमित, डॉ. संगीता, डॉ. श्वेता, डॉ. अनूप कुमार, श्रीमती दानी, श्रीमती क्षेत्रपाल, श्रीमती महिपाल एवं श्री बी.सी. मिश्रा उपस्थित रहे।

धान खरीदी में सुगमता हेतु 'तुहर टोकन मोबाइल एप' प्रारंभ

किसानों को मिलेगी घर बैठे टोकन सुविधा, समितियों में लंबी कतारों से मिलेगी मुक्ति

कोरबा, संवाददाता।

किसानों को धान विक्रय हेतु सुगम एवं बेहतर व्यवस्था प्रदाय किये जाने हेतु खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 'तुहर टोकन मोबाइल एप' प्रारंभ किया गया है। इस एप के माध्यम से किसानों को घर बैठे धान विक्रय हेतु टोकन की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे समितियों में लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी।

यह मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। साथ माध्यम से भी डाऊनलोड किया जा सकता है। इस ऐप में किसानों को सर्वप्रथम आधार

आधारित ओटीपी के माध्यम से पंजीयन करना होगा। किसान प्रतिदिन सुबह 8.00 बजे से इस ऐप के माध्यम से टोकन हेतु आवेदन कर सकेंगे। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने जानकारी दी कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए, सीमांत कृषक (2 एकड़ या 2 एकड़ से कम भूमि) को अधिकतम 1 टोकन, लघु कृषक (2 से 10 एकड़ तक) को अधिकतम 2 टोकन तथा दीर्घ कृषक (10 एकड़ से अधिक) को अधिकतम 3 टोकन प्रदान किये जायेंगे। नया टोकन बनाने हेतु समय-सीमा रविवार से शुक्रवार तक (प्रातः 8.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक) निर्धारित की गई है। जारी टोकन आगामी 07 खरीदी दिवसों के लिए मान्य रहेंगे। धान खरीदी केन्द्र की प्रतिदिन की खरीदी सीमा का 70 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल एप के माध्यम से टोकन हेतु आरक्षित रहेगा। इस 70 प्रतिशत में से लघु एवं सीमांत कृषक हेतु 80 प्रतिशत तथा दीर्घ कृषक हेतु 20 प्रतिशत का आरक्षण किया गया है। उदाहरण स्वरूप यदि किसी उपार्जन केन्द्र की प्रतिदिन की खरीदी सीमा 1000 क्विंटल है, तो मोबाइल ऐप हेतु आरक्षित 700 क्विंटल में से 560 क्विंटल लघु एवं सीमांत कृषकों हेतु तथा 140 क्विंटल दीर्घ कृषकों हेतु आरक्षित रहेगा। शेष 30 प्रतिशत टोकन सोसाइटी स्तर पर भी किसानों हेतु उपलब्ध रहेंगे, जिससे सभी वर्ग के किसानों को धान विक्रय हेतु सहज और सुगम व्यवस्था प्राप्त हो सके। खाद्य विभाग द्वारा विकसित 'तुहर टोकन मोबाइल एप' राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाते हुए खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता, समान अवसर और समय की बचत सुनिश्चित करेगा।

राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं उद्योग मंत्री देवांगन सहित कोरबावासी हुए शामिल

संवाददाता

कोरबा, । देश के पहले उप प्रधानमंत्री और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर कोरबा नगर में भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। यह आयोजन 15 ब्लॉक सरदार पटेल सामुदायिक भवन व परिसर से प्रारंभ होकर कोसाबाड़ी चैक स्थित निर्मला कान्वेंट स्कूल परिसर में संपन्न हुआ।

देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द्र के प्रतीक सरदार पटेल की स्मृति में निकाली गई इस रैली में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विषिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़षासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारत माता की जय, सरदार पटेल अमर रहें और वंदे मातरम् के उद्घोष से शहर का वातावरण देशभक्ति से गुंजायमान रहा।

यूनिटी मार्च सरदार वल्लभभाई पटेल परिसर से आरंभ होकर नगर के प्रमुख चैक ट्रांसपोर्ट नगर चैक, सीएसईबी पूर्व चैक, अटल परिसर-विवेकानंद उद्यान, घंटाघर चैक, सुभाष चैक होते हुए कोसाबाड़ी चैक तक पहुँची।यूनिटी मार्च के

षुभारंभ के दौरान अतिथियों ने पहलेसरदार वल्लभभाई पटेल जी के प्रतिमा में माल्यार्पण किया। इसके बाद मार्च आगे बढ़ी और ढोढ़ीपारा विवेकानंद उद्यान के पास अटल परिसर में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, घण्टाघर चैक में डॉ. भीमराव अंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय,ष्यामा प्रसाद मुखर्जी, सुभाष चैक निहारिका में नेताजी सुभाषचंद्र बोस और कोसाबाड़ी चैक में लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कोसाबाड़ी में कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने लौहपुरूष सरदार पटेल के देष निर्माण में उनके बहुमुल्य योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। देष के आजादी के बाद 545 देषी रियासतों के भारत में विलयीकरण की जटिल जिम्मेदारी को उन्होंने अपनी सूझ-बुझ एवं अडिग कार्यकुषलता से संपन्न किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने हैदराबाद,जूनागढ़, कश्मीर और भोपालजैसी रियासतों को भारत में विलय कर राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधा। उन्होंने गौरवान्वित महसूस करते हुए कहा कि आजादी के बाद लोकतंत्र में आस्था दिखाते हुए भारतीय संघ में षामिल होने वाला पहला रियासत रायगढ़ था जहां उनके पूर्वज ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर कर भारत में एकीकरण की सहमति दी। राज्यसभा सांसद श्री सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास, नक्सलवाद के उन्मूलन और 2047 तक विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में चल रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आम नागरिकों से देष की एकता, अखण्डता को बनाए रखने एवं देष के विकास में अमूल्य योगदान देने का आग्रह किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत एवं श्री गोपाल मोदी ने भी सरदार पटेल के योगदानों को नमन करते हुए देश को आत्मनिर्भर और स्वदेशी पथ पर अग्रसर करने का आह्वान किया।कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर आयोजित यूनिटी मार्च में आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान की जानकारी देते हुए कहा कि भारत की एकता को और अधिक बेहतर तरीके से स्थापित करने के उद्देष्य से यह आयोजन किया गया है।

सरदार पटेल के प्रशासनिक कौशल और देशभक्ति ने भारत की मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था की नींव रखी। उनकी नीतियां एवं सोच आज भी देष का पथ प्रषस्त कर रहे है। कलेक्टर श्री वसंत ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए उनकी विचारधारा को आत्मसात करने एवं देश की एकता और अखंडता के लिए एकजुट रहने का संदेश दिया।

नारी में विद्यमान सप्त शक्तियां उसे परिवार को सुसंस्कृत व सम्पन्न बनाने में बनाती है सक्षम: सरिता

कोरबा। सरस्वती शिशु मंदिर एचटीपीपी दर्री में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड 49 की पार्षद श्रीमती प्रीति शर्मा , मुख्य वक्ता सरिता पांडेय (अधिवक्ता ,पूर्व सदस्य उपभोक्ता आयोग,वर्तमान सदस्य ऋमहिला यौन उत्पीड़न कोरबा) व सहायक वक्ता चेतना शुक्ला (शिक्षिका) रहीं।कार्यक्रम की अध्यक्षता सीता (अधीक्षिका,सर्वमंगला कन्या छात्रावास) ने की। मां भारती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

स्वागत उपरांत लक्ष्मी पांडे (सप्त शक्ति संगम संयोजिका) ने सप्त शक्ति संगम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका उद्देश्य संयुक्त परिवार की संकल्पना को सुदृढ़ करना तथा स्त्री में निहित सप्त शक्तियां कीर्ति,वाक, स्मृति,मेधा,धृति,और क्षमा को जागृत कर परिवार एवं समाज निर्माण में नारी की भूमिका सशक्त बनाना है।मुख्य वक्ता सरिता पांडे ने अपने उद्बोधन में भारतीय परिवार परंपरा,परिवार की महत्ता एवं वर्तमान समय में परिवारों में आ गए बिखराव पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नारी में विद्यमान सप्त शक्तियां उसे परिवार को सुसंस्कृत व संपन्न बनाने में सक्षम बनाती है। सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण,स्वबोध,नागरिक कर्तव्य बोध और कुटुंब प्रबोधन इन पांच परिवर्तनों से भारत पुनः विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित होगा। उन्होंने कहा कि परिवार केवल मैं और मेरा तक सीमित नहीं,संयुक्त रहने का नाम है। सहायक वक्ता चेतना शुक्ला ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में महिलाओं ने लिया हिस्सा

माता लाली देवी राय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके पुत्र काफी समय से देश सेवा में सक्रिय है पूर्व में उनका चयन आर्मी में हुआ था वर्तमान में वे पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ है। इस दौरान सहोदरा राठौर,नीलू शर्मा का सम्मान किया गया। प्रश्नोत्तरी में माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राज्यपाल श्री डेका ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर किया नमन

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है। राजभवन में राज्यपाल ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले ÷जनजातीय गौरव दिवस÷ की प्रदेश एवं समस्त देशवासियों को विशेष रूप से सभी जनजातीय भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनजातीय गौरव पखवाड़ा समारोह के तहत भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

रायपुर । केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने जनजातीय गौरव पखवाड़ा के समारोह के तहत आज, नई दिल्ली स्थित रेल भवन में भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की। जनजातीय नायकों की वीरता, दूरदर्शिता और योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए, जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा 1 से 15 नवंबर 2025 तक पूरे देश में मनाया जा रहा है। पखवाड़े भर चलने वाला यह उत्सव भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में वर्ष भर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव वर्ष का हिस्सा है। भगवान बिरसा मुंडा भारत के सबसे सम्मानित जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे और औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ प्रतिरोध के एक चिरस्थायी प्रतीक थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के आदिवासी समुदायों के बलिदान, संस्कृति और विरासत का सम्मान करने और उनके साहस एवं राष्ट्र-निर्माण की कहानियों को राष्ट्रीय चेतना में लाने के लिए जनजातीय गौरव वर्ष मनाने की घोषणा की थी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत सरकार ने प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भगवान बिरसा मुंडा और अन्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहे।

सपनों को मिले पंख, उम्मीदों को मिला सहारा

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम ने फिर एक बार यह सिद्ध कर दिया कि शासन जब संवेदनशील होता है, तो जनता के सपने और विश्वास दोनों को नई उड़ान मिलती है। जनदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुँचे नागरिकों ने अपनी समस्याएँ, सुझाव और आकांक्षाएँ मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुन अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सरकार की जवाबदेही, संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता का सुंदर उदाहरण देखने को मिला। जनता के विश्वास की मजबूत डोर है मुख्यमंत्री जनदर्शन मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनदर्शन प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया, हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का उसी समय समाधान किया जाए। कार्यक्रम में महिलाएँ, छात्र, किसान, बुजुर्ग और दिव्यांगजन बड़ी संख्या में पहुँचे। आवास, छात्रवृत्ति, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें से अधिकांश का समाधान उसी दिन कर दिया गया। लोगों के चेहरों पर राहत और संतोष की मुस्कान इस पहल की सफलता को बयां कर रही थी। पूनम की मुस्कान ने सबको किया भावुक रायपुर की 11 वर्षीय पूनम, जो सेरेब्रल पाल्सी से जूझ रही है, जनदर्शन की सबसे भावुक झलक बनी। मुख्यमंत्री ने उसकी शिक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए विशेष विद्यालय में दाखिला और छात्रवृत्ति की घोषणा की। यह क्षण वहाँ मौजूद सभी के लिए भावनाओं से भरा रहा, जब एक बच्ची के भविष्य का जिम्मा मुख्यमंत्री ने अपने हाथ में ले लिया। भिलाई के अंकुश देवांगन की लघु संगमरमर कला ने जीता दिल भिलाई निवासी कलाकार अंकुश देवांगन ने जनदर्शन में अपनी अद्भुत रचना प्रस्तुत की। अंकुश ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सूक्ष्म संगमरमर की प्रतिमा मुख्यमंत्री के माध्यम से उन्हें भेंट की। महज आधे सेंटीमीटर की यह प्रतिमा माइक्रोस्कोपिक लेंस से देखी जा सकती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इसे समर्पण और धैर्य की अद्वितीय मिसाल बताते हुए अंकुश के कला की खूब सराहना की। शिवकुमार निराला ने अपने हाथों से तैयार किए राजनीतिक यात्रा के मानचित्र सारंगढ़-बिलाईगढ़ के शिवकुमार निराला ने मुख्यमंत्री को प्रदेश की राजनीतिक यात्रा का मानचित्र भेंट किया। इसमें 1998 से अब तक के लोकसभा और विधानसभा चुनावों का सीटवार विश्लेषण और जनप्रतिनिधियों का कलात्मक चित्रण शामिल था। मुख्यमंत्री ने कहा, यह केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि सृजनात्मक सोच का सुंदर उदाहरण है। मनीष की मुस्कान ने लौटाया आत्मविश्वास रायपुर के दिव्यांग युवक मनीष खुंटे आज अपनी बैटरी स्कूटी चलाकर जनदर्शन पहुँचे। वही स्कूटी जो उन्हें पिछले जनदर्शन में मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत की गई थी। मुख्यमंत्री ने उनसे आत्मीयता से बातचीत की और सेल्फी भी ली। मनीष ने कहा, अब कहीं आने-जाने में कठिनाई नहीं होती, यह मेरे जीवन की नई शुरुआत है। अनुसूचित जाति छात्रावास को मिलेगा नया भवन मुख्यमंत्री ने रायपुर स्थित अनुसूचित जाति बालक छात्रावास की जर्जर स्थिति पर संज्ञान लेते हुए 200 सीटों वाले नए सर्वसुविधायुक्त भवन के निर्माण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित और अनुकूल अध्ययन वातावरण देना सरकार की प्राथमिकता है।

जनदर्शनः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आमजन की समस्याएँ सुनीं, मौके पर दिए त्वरित समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में गुरुवार को आयोजित जनदर्शन एक बार फिर लोगों की उम्मीदों का केंद्र बना रहा। अलग-अलग जिलों से आए लोगों ने अपनी समस्याएँ लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने हर एक आवेदक की बात ध्यान से सुनी और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। पहली ही मुलाकात में रायपुर की 11 वर्षीय पूनम सभी का ध्यान खींच ले गई। सेरेब्रल पाल्सी से जूझ रही पूनम को मुख्यमंत्री ने विशेष विद्यालय में दाखिला और छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। जनदर्शन के दौरान भिलाई के कलाकार अंकुश देवांगन अपनी अनोखी संगमरमर कला लेकर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दुनिया की सबसे छोटी संगमरमर प्रतिमा भेंट की। फ्रेम में लगा माइक्रोस्कोपिक लेंस इस कलाकृति को और खास बनाता है। मुख्यमंत्री ने उनकी कला की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कलाकारों में अद्भुत प्रतिभा है। रायपुर के दिव्यांग युवक मनीष खुंटे भी अपनी बैटरी चालित स्कूटी से मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे। कुछ दिन पहले ही उन्हें इसी जनदर्शन में स्कूटी स्वीकृत की गई थी। मनीष ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और उनके साथ सेल्फी भी ली। मनीष की मुस्कान ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। खेल क्षेत्र से आए युवाओं ने भी मुख्यमंत्री से सहायता की मांग रखी। वूमेन्स सेल्फ डिफेंस ऑर्गनाइजेशन के खिलाड़ियों ने स्वेच्छानुदान का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। खिलाड़ियों ने बताया कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसी दौरान अभनपुर के दिव्यांग रग्बी खिलाड़ी पिंटू साहू ने व्हीलचेयर और खेल सामग्री खरीदने के लिए सहायता मांगी। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही 90 हजार रुपए की आर्थिक मदद स्वीकृत की। पिंटू ने कहा कि यह सहयोग उनके खेल करियर के लिए नई शुरुआत है। जनदर्शन में कई महिलाएँ, बुजुर्ग और किसान भी पहुंचे। आवास, स्वास्थ्य उपचार, सामाजिक सुरक्षा, छात्रवृत्ति और रोजगार से जुड़े आवेदन आए। मुख्यमंत्री ने सभी मामलों को प्राथमिकता से निपटाने को कहा। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी आवेदक निराश न लौटे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जनदर्शन प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम कोशिश करते हैं कि अधिक से अधिक लोगों की समस्याएँ सुनकर मौके पर ही उसका समाधान किया जाए। जनदर्शन के समापन तक बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के त्वरित और व्यवहारिक समाधान से संतुष्ट दिखाई दिए। लोगों ने कहा कि यह व्यवस्था उन्हें सरकार से सीधे जुड़ने का विश्वास दिलाती है–जहाँ उनकी बात न सिर्फ सुनी जाती है, बल्कि उसी समय समाधान की दिशा में ठोस कदम भी उठाए जाते हैं। इससे आमजन में भरोसा, पारदर्शिता और सहभागिता की भावना और मजबूत हुई है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

धमतरी । कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज यहां कलेक्टोरेट सभाकक्ष में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के 19 नवम्बर के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जिलाधिकारियों की बैठक ली।

उन्होंने अधिकारियों को कृषि मंत्री के कार्यक्रम की समय रहते पूरी तैयारी गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के साथ कार्यक्रम स्थल स्थानीय डॉ.शोभाराम देवांगन हायर सेकेण्डरी स्कूल पहुंचकर कार्यक्रम की रूपरेखा, मंच, स्टॉल और पार्किंग स्थल आदि का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रीता यादव, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग एस.के.नेताम, एसडीएम पियूष तिवारी सहित जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद उन्होंने इंडोर स्टेडियम पहुंचक पहुंचकर हेलीपेड स्थल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मिली जानकारी के अनुसार कार्यकम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोंदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21 वीं किश्त का वर्चुअल हस्तांतरण करेंगे।

इसके बाद उन्होंने इंडोर स्टेडियम पहुंचक पहुंचकर हेलीपेड स्थल का निरीक्षण किया।

जनजातीय गौरव दिवस का राज्य के सभी जिलों में होगा गरिमामय आयोजन

प्रधानमंत्री के संबोधन का प्रसारण और मुख्यमंत्री के संदेश का होगा वाचन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जगदलपुर में आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

रायपुर । छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में गरिमामय ढंग से मनायी जाएगी। इस अवसर पर जिलों में विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन के संबंध में सभी जिलों में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, मंत्रिगण, सांसद एवं विधायकगण मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण अधिकारिक यू-ट्यूब चैनल एवं डीडी न्यूज के माध्यम से होगा, जिसे देखने और सुनने की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल पर होगी। कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी का संदेश पत्र वाचन होगा तथा पीएम जनमन, आदि कर्मयोगी, धरती आबा जैसी योजनाओं पर आधारित लघु फिल्में भी प्रदर्शित की जाएंगी। राज्य शासन द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के संबंध में जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में जनजातीय गौरव दिवस का गरिमामय आयोजन होगा। इस मौके पर वनमंत्री केदार कश्यप और विधायक किरण सिंह देव विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। दुर्ग जिले में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, रायपुर में केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखनलाल साहू और राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, बलरामपुर में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, बेमेतरा में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कोरबा में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, रायगढ़ में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सरगुजा में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, जांजगीर-चांपा में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, महासमुंद में कौशल विकास तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, कांकेर में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, कोरिया में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे। इसी तरह बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, सूरजपुर में सांसद श्री चिंतामणि महाराज, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में सांसद श्री विजय बघेल, कबीरधाम में सांसद श्री संतोष पाण्डेय, बालोद में सांसद श्री भोजराज नाग, गरियाबंद में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, जशपुर में सांसद श्री राधेश्याम राठिया, सक्ती में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में राज्य सभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह मोहला-मानपुर चौकी में विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, धमतरी में विधायक श्री अजय चन्द्राकर, कोण्डागांव में विधायक सुश्री लता उसेण्डी, मुंगेली में विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, नारायणपुर में विधायक श्री विक्रम उसेंण्डी, सुकमा में विधायक श्री नीलकंठ टेकाम।

दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम के चौथे एपिसोड का सफल प्रसारण

हजारों महिलाओं ने सुना प्रेरणादायक संवाद

नमो ड्रोन दीदी, कृषि सखी एवं पशु सखी की कहानियाँ बनी प्रेरणा स्रोत

रायपुर । पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम के चौथे एपिसोड का प्रसारण आज पूरे प्रदेश में किया गया। इस अवसर पर प्रदेशभर की हजारों स्व-सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएँ एवं बड़ी संख्या में आमजन ने प्रसारण सुना। महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन पर केंद्रित इस एपिसोड को श्रोताओं ने अत्यंत प्रेरणादायक एवं जानकारी वर्धक बताया। इस एपिसोड में नमो ड्रोन दीदी, कृषि सखी एवं पशु सखी योजनाओं के अंतर्गत कार्यरत महिलाओं की सफलता की कहानियाँ साझा की गईं, जिन्होंने ग्रामीण अंचलों में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत की है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि कैसे राज्य की ग्रामीण महिलाएँ आधुनिक तकनीक को अपनाकर कृषि और पशुपालन क्षेत्र में नवाचार कर रही हैं तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रही हैं। एपिसोड में बताया गया कि नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत महिलाएँ आधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग कर फसलों में छिड़काव जैसे कार्यों से कृषि क्षेत्र में क्रांति ला रही हैं। वहीं, कृषि सखी ग्रामीण किसानों को उन्नत खेती, जैविक खाद निर्माण एवं फसल प्रबंधन के लिए मार्गदर्शन दे रही हैं। इसी प्रकार, पशु सखी पशुपालन क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य, पोषण एवं उत्पादकता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। दीदी के गोठ कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण महिलाएँ न केवल नई जानकारियाँ प्राप्त कर रही हैं, बल्कि अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कदम भी बढ़ा रही हैं। इस रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण प्रत्येक माह के द्वितीय गुरुवार को दोपहर 2:00 बजे आकाशवाणी के समस्त केंद्रों से हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा में किया जाता है। बस्तरिया आकाशवाणी जगदलपुर तथा सरगुजिया आकाशवाणी अंबिकापुर से इसका प्रसारण दोपहर 2:30 बजे से किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं तक शासन की योजनाओं एवं सफलता की कहानियों की जानकारी पहुँचाना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाना है।

भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है : रामविचार नेताम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जनजाति गौरव दिवस पर सान्निध्य प्राप्त होना छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय

जनजाति समाज के सर्वतोमुखी विकास का मॉडल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रखा - रामविचार नेताम

रायपुर । छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह पूरा वर्ष 15 नवंबर 2024 से लेकर आगामी 15 नवंबर तक भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के उपलक्ष्य में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसी अवधि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ प्रवास और उनके हाथों आदिवासी समाज के महानायकों, उनकी संघर्ष गाथा व स्वाधीनता संग्राम में उनके सर्वस्व बलिदान के गौरवशाली अतीत का स्मरण कराता संग्रहालय लोकार्पित हुआ। श्री नेताम गुरुवार को यहां कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आहूत पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश के कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि जनजाति गौरव दिवस के दृष्टिगत छत्तीसगढ़ में अनेक आयोजन किए जा रहे हैं। एक तो हमारे जनजाति समाज के महापुरु?षों, जिन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अहम भूमिका निभाई, जिनके स्मारक, पैतृक ग्राम, जन्मस्थान के लिए योजना बनाकर हम जा रहे हैं, वहां लगातार कार्यक्रम चल रहे हैं। श्री नेताम ने कहा कि जनजाति वर्ग के लिए भारत सरकार ने जितने काम किए हैं, जो योजनाएं स्वीकृत हुई हैं, उसे लेकर जगह-जगह प्रदर्शनी का आयोजन हो रहा है। आगामी 15 नवंबर को प्रदेश के हर जिले में विभिन्न कार्यक्रम होंगे और पिछले एक पखवाड़े में हुए कार्यक्रमों की जानकारी भी दे रहे हैं। श्री नेताम ने कहा कि आदिवासी समाज में लोक-कला के निपुण कलाकारों को सामने लाने का कार्यक्रम सरकार कर रही है। इन कलाकारों के कार्यक्रम ब्लॉक और जिलों में होने के बाद आगामी 19 व 20 नवंबर को प्रदेशस्तरीय अंतिम प्रतियोगिता के साथ सरगुजा के अम्बिकापुर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में समापन होगा। यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जनजाति गौरव दिवस पर सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। श्री नेताम ने कहा कि जनजाति गौरव दिवस के मद्देनजर ये सभी कार्यक्रम हर ब्लॉक व गांवों के साथ ही आदिवासी विभाग से जुड़ी संस्थाओं में चल रहे हैं, जहां आश्रम छात्रावासों में स्वास्थ्य परीक्षण व स्वच्छता अभियान चल रहा है। प्रदेश के कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि लगभग 6,650 आदि आदर्श ग्रामों को सरकार की योजना में चयनित किया गया है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर यूनिटी मार्च का आयोजन

रायपुर । भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रायपुर में आज भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई जिसके पश्चात हरी झंडी दिखा कर यूनिटी मार्च की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने 'रन फॉर यूनिटी' के संकल्प के साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर नशामुक्ति एवं स्वदेशी की शपथ भी दिलाई गई । इस अवसर पर सांसद श्री अग्रवाल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, सरदार पटेल ने सभी रियासतों को जोड़ने का सशक्त कार्य किया। उन्हें याद करते हुए 'एक भारत श्रेष्ठ- सर्वश्रेष्ठ भारत' में आज एकता मार्च निकाला जा रहा है। उन्होंने पदयात्रा में शामिल लोगों से अनुरोध किया कि पदयात्रा के दौरान पूर्ण अनुशासन का पालन करें, सड़क के एक निश्चित हिस्से पर चलें, और यातायात को व्यवस्थित रखने में मदद करें। श्री अग्रवाल ने सबको यूनिटी मार्च की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। यह पदयात्रा शासकीय जे.आर. दानी शाला से प्रारंभ होकर कालीबाड़ी चौक, कोतवाली चौक, आजाद चौक, तात्यापारा, राठौर चौक, गुरुनानक चौक, स्टेशन रोड, फाफाडीह चौक, पीली बिल्डिंग, पाटीदार भवन होते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल चौक, टिंबर मार्केट में संपन्न हुई । प्रमुख चौकों पर महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण भी किया गया एवं सभी महापुरुषों को नमन किया गया। पदयात्रा में शामिल चौक पर आम लोगों द्वारा पुष्पवर्षा कर अभिनन्दन किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)